हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 88 | जौनपुर, शनिवार 23 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

राहुल गांधी ने सांसदों को किया संबोधित किया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को साथी विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लेते हुए संसद सुरक्षा उल्लंघन को बेरोजगारी से जोड़ा। जंतर मंतर पर सभा को संबोधित करते हुए, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा सांसदों पर भी कटाक्ष किया और दावा किया कि जैसे ही घुसपैठिए रंगीन धुएं के कनस्तरों के साथ लोकसभा गैलरी से कूदे, वे घटनास्थल से भाग गए। गांधी ने कहा कि कुछ दिन पहले, 2–3 युवक संसद भवन के अंदर कूद गए, हम सभी ने देखा, वे अंदर आए और कुछ धुआं फैलाया। बीजेपी के सारे सांसद भाग गये. वे खुद को राष्ट्रवादी कहते हैं लेकिन हमने देखा कि वे कितने डरे हुए थे। उन्होंने कहा कि सबसे पहले तो ये कि वो लोग अंदर कैसे आए, वो संसद के अंदर गैस सिलेंडर लेकर आए. अगर वे ऐसा ला सकते थे तो वे कुछ भी ला सकते थे। गांधी ने जोर देकर कहा कि घुसपैठिए देश में बेरोजगारी का ज्वलंत मुद्दा उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरा सवाल यह है कि उन्होंने विरोध क्यों किया? इसका कारण बेरोजगारी थी।

संजय सिंह की जमानत अर्जी खारिज

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली में हुए कथित शराब घोटाला मामले में आम आदमी पार्टी नेता और सांसद संजय सिंह को राउज एवेन्यू कोर्ट से जमानत नहीं मिली। कोर्ट ने उनकी ओर से दाखिल जमानत अर्जी खारिज कर दी।कोर्ट ने गुरुवार को ही संजय सिंह की न्यायिक हिरासत को 21 दिसंबर तक के लिए बढ़ा दिया था। संजय सिंह को एक्साइज पॉलिसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच का सामना करना पड़ रहा है। अदालत ने गुरुवार को संजय सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। दिल्ली आबकारी नीति मामले में आरोपी आप सांसद संजय सिंह चार अक्टूबर से ईडी की हिरासत में हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल को जमानत अर्जी पर फैसला गुरुवार को सुनाना था, लेकिन उन्होंने कहा कि अब वे फैसला शुक्रवार को देंगे।

पूर्व मंत्री राकेशधर को तीन साल की सजा

प्रयागराज (एजेन्सी)। आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्व मंत्री राकेशधर त्रिपाठी को तीन साल के कारावास और 10 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनवाई गई है। यह फैसला इलाहाबाद जिला न्यायालय की एमपी–एमएलए कोर्ट ने सुनाया। विशेष अदालत ने 108 पन्नों में पूर्व मंत्री के खिलाफ फैसला दिया। भाजपा और बसपा सरकार में मंत्री रहे राकेश धर त्रिपाठी के खिलाफ इलाहाबाद जिला न्यायालय की एमपी एमएलए की विशेष अदालत में विचाराधीन आय से अधिक संपत्ति के मामले में शुक्रवार को फैसला सुनाया गया। 18 जून 2013 को सतर्कता अधिष्ठान प्रयागराज परिक्षेत्र के निरीक्षक राम सुभग राम ने उनके खिलाफ मुट्ठीगंज थाने में आय से अधिक संपत्ति मामले में मुकदमा पंजीकृत कराया था। आरोप लगाया गया था कि बसपा सरकार में मंत्री रहते पूर्व मंत्री ने अकूत संपत्ति अर्जित की थी।

संजय राउत ने आतंकी हमले पर केंद्र की आलोचना की

मुंबई (एजेन्सी)। जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में बृहस्पतिवार को हथियारों से लैस आतंकवादियों द्वारा सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर किए गए हमले में पांच सैनिक शहीद हो गए और दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शहीद हुए दो सैनिकों के शव क्षत–विक्षत थे। गुरुवार को हुए आतंकी हमले के बाद जम्मू–कश्मीर के पुंछ के वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान के बीच, राजनीतिक दलों ने केंद्र की आलोचना की। हमले के बारे में बोलने वाले पहले नेताओं में शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत शामिल थे। राउत ने समाचार एजेंसी के हवाले से कहा कि ″कल पुंछ में हुआ आतंकवादी हमला पुलवामा हमले की पुनरावृत्ति है। सरकार सो रही है. क्या आप (भाजपा) फिर से हमारे जवानों के बलिदान पर राजनीति करना चाहते हैं?

गौपालकों को योगी सरकार देगी 15 हजार रुपये का नकद पुरस्कार, 17 पशुपालकों का किया गया चयन

लखनऊ (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना का लाभ देने के लिए 17 पशुपालकों का चयन किया गया है। आठ से 12 लीटर दूध देने वाली गाय के पालक को 10 हजार, 12 लीटर से ज्यादा दूध देने वाली देशी गाय के पालक को 15 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विपिन गर्ग ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए 35 पशुपालकों ने आवेदन किया था। सभी का सत्यापन करवाया गया। सत्यापन के बाद 17 पशुपालकों को पात्र पाया गया है। सभी को योजना के तहत निर्धारित की गई धनराशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जाएगी। पशुपालकों को प्रोत्साहित करने के लिए योजना का संचालन किया जा रहा है। जनपद में कुल 107 पशुपालकों को योजना के तहत नकद पुरस्कार दिया जाना है। उन्होंने बताया कि आवेदन करने वाले पशुपालक के घर जाकर पशुपालन और डेयरी विभाग के अधिकारी सत्यापन करते हैं। दो दिन तक गाय का दूध निकलवा कर देखा जाता है। जिन पशुपालकों की गाय लगातार दोनों दिन आठ से 12 लीटर दूध देती है।

उन पशुपालकों का योजना का लाभ देने कि लिए चयन किया जाता है। जिन पशुपालकों की गाय 12 लीटर से ज्यादा दूध दे रही है, उन्हें योजना के तहत 15 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। योजना का लाभ केवल उन्हीं पशुपालकों को दिया जाएगा, जो देशी गाय का पालन कर रहे हैं। गौ पालन को बढ़ावा देने और देसी प्रजाति की गायों के संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालन पुरस्कार योजना शुरू की गई है।

इसके तहत प्रगतिशील गौपालकों को पुरस्कृत किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने गौपालकों को प्रोत्साहित करने के लिए नंद बाबा दुग्ध मिशन योजना आरंभ की है। इसमें देशी नस्ल की गाय पालने वाल पशुपालकों को योजना के तहत 10 से 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। दूध को मापने के लिए आवेदक की गाय का दिन में चार बार दूध निकालकर मापा जाएगा। यह क्रम दो दिन तक चलेगा। इसके बाद योजना की तमाम प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद पशुपालकों के खाते में प्रोत्साहन राशि पहुंचेगी। पशु चिकित्सा विभाग के अनुसार जिले में करीब 11 हजार स्वदेशी गाय हैं। साहीवाल, गंगाा तीरी, गिर और थार पारकर गाय को नंद बाबा दुग्ध मिशन योजना के लिए शामिल किया गया है।

योजना के तहत आठ से 12 लीटर तक दूध देने वाली गाय के पालकों को 10 हजार रुपये और 12 लीटर से अधिक दूध देने वाली गाय के पालकों को 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। यह राशि एक पशुपालक को अधिकतम दो गाय के लिए प्रदान करने की योजना है। लाभार्थी को अपने आधार कार्ड, गाय का भारत पशुधन एप पर पंजीकरण, गाय का टैगिंग का प्रमाण पत्र, गाय का बीमा, बैंक खाते का विवरण, गाय के साथ पशुपालक का फोटो और पशुपालक को योजना का लाभ प्रथम बार लेने का शपथ पत्र देना होगा।

जम्मू-कश्मीर में धत्यार मोड़ पर आतंकियों ने घात लगाकर किया हमला, सेना के 5 जवान शहीद

जम्मू–कश्मीर (एजेन्सी)। अधिकारियों ने समाचार एजेंसी को बताया कि जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें पांच सैनिक मारे गए और दो घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हमला ढेरा की गली और बुफलियाज के बीच धत्यार मोड़ पर दोपहर करीब 3रू45 बजे हुआ। सूत्रों ने बताया कि पुंछ जिले में धात्यार मोड़ स्थान को आतंकवादियों ने हमले के लिए चुना था क्योंकि अंधे मोड़ और ऊबड़–खाबड़ सड़क के कारण इस बिंदु पर सेना के वाहन धीमे हो जाते थे। सूत्रों ने बताया कि आतंकवादियों ने ढेरा की गली और बुफलियाज के बीच धत्यार मोड़ पर एक पहाड़ी पर खुद को तैनात कर लिया, जहां से उन्होंने सेना के दो वाहनों पर गोलियां चलाईं। सूत्रों ने कहा कि आतंकवादियों ने हमले वाली जगह पर रेकी की होगी, जहां सेना के दो वाहनों – एक ट्रक और एक मारुति जिप्सी – पर घात लगाकर हमला किया गया था, सूत्रों ने कहा कि माना जाता है कि उनमें से तीन या चार हमले में शामिल थे। धत्यार मोड़ पर जब सेना के वाहन अंधे मोड़ पर धीमे हुए तो आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। सूत्रों ने आगे बताया कि सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की, लेकिन आतंकवादी उस स्थान से भागने में सफल रहे। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) की शाखा पीपुल्स एंटी–फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) ने घात लगाकर किए गए हमले की जिम्मेदारी ली। सूत्रों ने बताया कि पुंछ जिले में धात्यार मोड़ स्थान को आतंकवादियों ने हमले के लिए चुना था ।

I-N-D-I-A ने सांसदों के निलंबन के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन किया

संसद के शीतकालीन सत्र के समापन के एक दिन बाद गठबंधन के नेता सांसदों के सामूहिक निलंबन के विरोध में देश भर में सड़कों पर उतरे

नई दिल्ली (एजेन्सी)। संसद के शीतकालीन सत्र के समापन के एक दिन बाद विपक्ष के I-N-D-I-A गठबंधन के नेता संसद से 146 सांसदों के सामूहिक निलंबन के विरोध में देश भर में सड़कों पर उतर आए हैं। शीतकालीन सत्र के दौरान रिकॉर्ड संख्या में सांसदों को निलंबित कर दिया गया था, जब उन्होंने 13 दिसंबर को संसद सुरक्षा उल्लंघन पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह से जवाब मांगना शुरू कर दिया था, जिसने देश को सदमे में डाल दिया था। 14 से 22 दिसंबर तक, लोकसभा और राज्यसभा से एक साथ कुल 146 सांसदों को निलंबित कर दिया गया था । सांसदों पर आरोप है कि उन्होंने अव्यवस्थित आचरण और सदन की कार्यवाही में बाधा डाली। अब I-N-D-I-A ब्लॉक के नेता दिल्ली के जंतर–मंतर पर निलंबन के विरोध में एकजुट हुए हैं। दिल्ली के जंतर–मंतर पर लोकतंत्र बचाओ विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने वाले नेताओं में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी नेता राहुल गांधी, एनसीपी प्रमुख शरद पवार और सीपीआई (एम) नेता सीताराम येचुरी शामिल हैं। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि नेता देश की 140 करोड़ जनता के लिए लड़ेंगे। उन्होंने कहा ष्हम संसद और संसदीय गरिमा के लिए लड़ेंगे, संविधान के लिए लड़ेंगे...भारत में लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है। अगर संसद को विपक्ष के बिना चलाना है, अगर सवाल पूछने की आजादी नहीं है, अगर सरकार की जवाबदेही नहीं है तय है, और अगर संविधान का पालन नहीं किया जाएगा तो संसद का क्या मतलब रह जाएगा। हम ये लड़ाई साथ मिलकर लड़ रहे हैं, न डरेंगे, न थकेंगे, न रुकेंगे। कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि सांसदों का सामूहिक निलंबन दिखाता है कि यह ष्लोकतंत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि ष्5 या 6 ठीक हैं लेकिन लगभग 150 सदस्यों को निलंबित करना लोकतंत्र नहीं है। यह संदेश लोगों तक पहुंचना चाहिए। अगर सभी सांसद बाहर होंगे तो संसद कैसे चलेगी?...ऐसा कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। एक सांसद के पास विशेषाधिकार है अपनी बात आगे रखने के लिए... कांग्रेस के अरविंदर लवली ने निलंबन को ष्लोकतंत्र के लिए धब्बाष बताया। उन्होंने कहा, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। हर भारतीय को इस पर गर्व है। हालांकि, पिछले कुछ दिनों में राज्यसभा और लोकसभा में जो हुआ वह भारत के लोकतंत्र पर एक धब्बा है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने भी केरल के तिरुवनंतपुरम में राजभवन के पास संसद से विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ धरने का आयोजन किया है।

पंजाब कांग्रेस ने किया बड़ा ऐलान, घर बैठना पसंद लेकिन आप के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ना नहीं

नई दिल्ली (एजेन्सी)। लुधियाना के जगराओं की दाना मंडी में राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए आप सरकार के खिलाफ विरोध रैली के दौरान पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व ने घोषणा की कि अगले लोकसभा चुनावों के लिए इंडिया ब्लॉक के तहत आप के साथ कोई भी गठबंधन उन्हें अस्वीकार्य है। हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी वाली रैली में यह घोषणा करने वाले नेताओं में विधायक परगट सिंह, पीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु और विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा शामिल थे। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने कहा कि उन्हें पंजाब में आप के साथ किसी भी तरह की बातचीत करने के लिए कांग्रेस आलाकमान की ओर से कोई आदेश नहीं दिया गया है, लेकिन अगर ऐसा कुछ हुआ तो वह श्लड़ाई लड़ेंगे। वारिंग ने यह भी कहा कि वह पंजाब कांग्रेस नेतृत्व और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की भावनाओं को दिल्ली तक पहुंचाएंगे। पीपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष और पार्टी के वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू साझा मंच से गायब थे, जिन्होंने पहले गठबंधन के पक्ष में बात की थी। आशु ने कहा कि वह आत्महत्या करने (ऐसे गठबंधन का हिस्सा बनने) के बजाय लोकसभा चुनाव के दौरान घर पर बैठना पसंद करेंगे।

दो महीने से रेकी, कश्मीर के लोकल लोगों ने की आतंकियों की मदद

आतंकवादियों द्वारा सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर किए गए हमले में पांच सैनिक शहीद हो गए और दो अन्य घायल हो गए

जम्मू–कश्मीर (एजेन्सी)। जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में बीते बृहस्पतिवार को हथियारों से लैस आतंकवादियों द्वारा सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर किए गए हमले में पांच सैनिक शहीद हो गए और दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शहीद हुए दो सैनिकों के शव क्षत–विक्षत थे। पाकिस्तान स्थित लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) की शाखा पीपुल्स एंटी–फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) ने घात लगाकर किए गए इस हमले की जिम्मेदारी ली है। जम्मू में रक्षा विभाग के जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में ″पुख्ता खुफिया जानकारी″ के आधार पर पुंछ जिले के ढेरा की गली इलाके में बुधवार रात एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि सैन्यकर्मियों को एक घेराबंदी और तलाशी अभियान स्थल पर ले जा रहे वाहनों पर सुरनकोट थाना के अंतर्गत आने वाले ढेरा की गली और बुफलियाज के बीच धत्यार मोड़ पर अपराह्न करीब पौने चार बजे हमला किया गया। जम्मू–कश्मीर के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों – गुलाम नबी आजाद और महबूबा मुफ्ती ने हमले की कड़ी निंदा की है। सुरक्षाकर्मियों ने 22 दिसंबर की सुबह राजौरी जिले के डेरा की गली के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया, जहां भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर हमला किया था। 21 दिसंबर की शाम को हुए आतंकी हमले में सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे जबकि दो अन्य घायल हो गए थे। आतंकवादियों ने राजौरी के थानामंडी में सैनिकों को ले जा रहे सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर हमला किया।″ 21 दिसंबर को दोपहर करीब 3.45 बजे, सेना के दो वाहन सैनिकों को लेकर ऑपरेशनल साइट की ओर जा रहे थे, जिस पर आतंकवादी ने गोलीबारी की। सेना के एक अधिकारी ने कहा, हमारे सैनिकों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की।श्र उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के हमले के बाद सेना के जवानों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। सेना के अधिकारियों ने कहा, ष्सैनिक कल शाम से इलाके में आतंकवादियों के खिलाफ चल रहे संयुक्त अभियान को मजबूत करने जा रहे थे। ऑपरेशन 48 राष्ट्रीय राइफल्स क्षेत्र में हो रहा है। जानकारी के अनुसार दो महीने से आतंकी रेकी कर रहे थे और जानकारी ले रहे थे कि आखिर कैसे हमले को अंजाम दिया जाए। पुंछ के इस इलाके में जब गाड़िया चलती है तब इस मोड़ पर आकर थोड़ा धीरे हो जाती हैं क्योंकि इस मोड़ पर सड़क थोड़ी खराब है ऐसे में सभी वाहनों की गति कम हो जाती हैं।

सैम मानेकशॉ का लेटर शेयर कर वरुण गांधी ने कहा अकेले क्रेडिट नहीं लेती थीं इंदिरा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद वरुण गांधी ने शुक्रवार को पाकिस्तान के साथ 1971 के युद्ध में जीत पर अपनी दादी और पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की प्रशंसा की। 1971 के युद्ध में जीत के बाद इंदिरा गांधी द्वारा तत्कालीन भारतीय सेना प्रमुख जनरल सैम मानेकशॉ को लिखे गए एक पत्र को साझा करते हुए वरुण गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी दादी की सराहना करते हुए कहा कि एक सच्चा नेता जीत के लिए पूरी टीम को श्रेय देता है और एकमात्र श्रेय नहीं लेता। वरुण गांधी ने लिखा कि एक सच्चा नेता जानता है कि पूरी टीम ही जीतती है और वह जानता है कि कब बड़ा दिल रखना है और अकेले श्रेय नहीं लेना है। उन्होंने कहा कि इस दिन पूरा भारत इन दोनों महान भारतीय खजानों को सलाम करता है। 22 दिसंबर 1971 को लिखे पत्र में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने युद्ध में जीत के लिए सशस्त्र बलों और जनरल मानेकशॉ की सराहना की थी। इंदिरा गांधी ने पत्र में लिखा कि पिछले दिनों ने हमारी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा और राष्ट्रीय मूल्यों को बनाए रखने में हमारे सशस्त्र बलों की शानदार उपलब्धि के लिए लोगों की प्रशंसा और प्रशंसा का प्रमाण दिया है।

जेल में ही मनेगा मनीष सिसोदिया का नया साल, 19 जनवरी तक बढ़ी हिरासत

दिल्ली कोर्ट ने शराब घोटाला मामले में पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है अभी तिहाड़ जेल में ही रहना होगा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली कोर्ट ने शराब घोटाला मामले में पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है। अभी सिसोदिया को तिहाड़ जेल में ही रहना होगा। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत को 19 जनवरी 2024 तक के लिए बढ़ा दिया है। अब सुनवाई अगली तारीख तक बढ़ा दी गई है। दिल्ली कोर्ट ने शराब घोटाला मामले में पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है। अभी सिसोदिया को तिहाड़ जेल में ही रहना होगा। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत को 19 जनवरी 2024 तक के लिए बढ़ा दिया है। अब सुनवाई अगली तारीख तक बढ़ा दी गई है। मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से भी झटका लग चुका है। घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में उनकी जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने समीक्षा याचिकाएं खारिज की थीं। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि हमने समीक्षा याचिकाओं और उनके समर्थन में दिए गए आधारों का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया है। हमारी राय में, 30 अक्तूबर, 2023 के फैसले की समीक्षा का कोई मामला नहीं बनता है। इसलिए समीक्षा याचिकाएं खारिज की जाती हैं। साथ ही पीठ ने समीक्षा याचिकाओं पर मौखिक सुनवाई के लिए सिसोदिया के अनुरोध को भी खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 30 अक्तूबर को सिसोदिया आबकारी नीति घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में जमानत देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि जांच एजेंसी ने 338 करोड़ रुपये का लेनदेन साबित किया है। यह भी कहा था कि अगर छह महीने में निचली अदालत में मुकदमा खत्म नहीं होता तो जमानत के लिए दोबारा आवेदन किया जा सकता है। दिल्ली शराब घोटाला मामले में की जांच सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय कर रहे हैं। आबकारी नीति मामले में कथित तौर पर भूमिका के आरोप में मनीष सिसोदिया को 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया गया था। बता दें कि सिसोदिया को 26 फरवरी को घोटाले में उनकी कथित भूमिका के लिए सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। तब से वह हिरासत में हैं। ईडी ने तिहाड़ जेल में उनसे पूछताछ के बाद 9 मार्च को सीबीआई की एफआईआर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने 28 फरवरी को दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। गौरतलब है कि इस मामले में विपक्षी दल भाजपा और दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के बीच जमकर सियासी बयानबाजी भी होती है। घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में उनकी जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था।

चीन-अमेरिका के सैन्य अधिकारियों की बैठक, ड्रैगन से रिश्ते सुधारने में जुटा US

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पेंटागन ने कहा कि शीर्ष अमेरिकी सैन्य अधिकारी ने शुक्रवार को अपने चीनी समकक्ष के साथ एक वर्चुअल बैठक की। अमेरिकी अधिकारियों की उम्मीदों के बीच एक साल से अधिक समय में इस तरह की पहली बातचीत से दोनों सेनाओं के बीच संबंधों की व्यापक बहाली हो सकती है। वीडियो टेलीकांफ्रेंस ने पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच अगस्त 2022 में तत्कालीन प्रतिनिधि सभा अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी के स्व–शासित ताइवान के दौरे के बाद बीजिंग द्वारा तोड़ दिए गए सैन्य–से–सैन्य संबंधों को फिर से शुरू करने के लिए एक समझौते का पालन किया। ब्राउन के कार्यालय ने कहा कि अमेरिकी वायु सेना के जनरल चार्ल्स क्यू ब्राउन, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के जनरल लियू जेनली ने कई वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर बात की। लियू केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के संयुक्त स्टाफ विभाग के प्रमुख हैं, जो चीन के युद्ध संचालन और योजना के लिए जिम्मेदार सैन्य निकाय है। पेंटागन के अधिकारियों का कहना है कि गलत अनुमान को संघर्ष में बदलने से रोकने के लिए दोनों सेनाओं के बीच संचार महत्वपूर्ण है।

सम्पादकीय

जूनियर के मंत्रिमंडल में शामिल होने को कौन तैयार, कौन नहीं?

तीन राज्यों में अब मंत्रिमंडल के विस्तार की प्रतीक्षा है। कौन मंत्री बनेगा,कौन नहीं, इस बारे में लोग भले ही कयास पर कथ्यास लगा रहे हों लेकिन मीडिया में किसी तरह की कोई संभावना नहीं जताई जा रही है। कारण एक ही है कि मुख्यमंत्रियों के नामों के बारे में मीडिया की तमाम संभावनाएं कचरे की टोकरी में डाल दी गईं थीं और जो नाम किसी ने कभी सोचा भी नहीं था, मोदी ने उन्हीं नामों को मुख्यमंत्री के रूप में आगे रखा। यही वजह है कि अब तो कुछ भाजपा नेता मीडिया से यह अनुरोध करते पाए गए कि हमारा नाम संभावित मंत्री में मत लिखिए। बड़ी कसौटी होती थी कि किसके कितने नाम सही निकलेंगे, लेकिन अब मीडिया को इस झंझट से भी मुक्ति मिल गई। कहने को मंत्री पद पाने के लिए कई नेता नए कुर्ते सिलवाए बैठे हुए हैं लेकिन किसका नंबर लगेगा, किसका नाम कटेगा, यह कोई नहीं जानता। मध्यप्रदेश में इंदौर वाले कैलाशजी एकदम तैयार बैठे हैं, लेकिन अपने जूनियर के मंत्रिमंडल में शामिल होना उनके लिए कितना मुफीद होगा, और केंद्र उन्हें इस झंझट में किस हद तक डालेगा, यह भविष्य बताएगा। राजस्थान में भी यही हाल है। बड़े– बड़े नेता विधायक बने बैठे हैं। पहली बार के विधायक को मुख्यमंत्री बना दिया गया है। ऐसे में उनके हाथ के नीचे काम करना वरिष्ठों के लिए मुश्किल होगा। यही वजह है कि केंद्र को मंत्रियों की सूची तैयार करने में ज्यादा वक्त लग रहा है। इतना तो मुख्यमंत्री तय करने में भी नहीं लगा था। जहां तक शिवराज सिंह चौहान का सवाल है, वे दिल्ली न जाने और पार्टी से कुछ न माँगने की कल तक रट लगाए बैठे थे लेकिन दिल्ली से एक बुलावा आते ही झट ले दिल्ली चले गए और वहाँ से बयान भी दे दिया कि जो जिम्मेदारी पार्टी देगी, खुशी से उसे पूरा करेंगे। और कोई चारा भी नहीं था। फिलहाल सुना है कि उन्हें दक्षिण के राज्यों में भेजा जाएगा। वे लगभग तैयार भी हो गए हैं। दरअसल, पार्टी चाहती है कि मध्यप्रदेश से वे दूर रहें ताकि यहाँ की नई सरकार उनकी छाया से मुक्ति पा जाए। हालाँकि शिवराज ऐसा चाहते तो नहीं हैं लेकिन मजबूरी है, वे कर भी क्या सकते हैं? यही हाल राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का भी होगा, ऐसा लगता है। वैसे उनके बारे में पार्टी स्तर पर अभी कुछ तय नहीं किया गया है, लेकिन नई सरकार से उन्हें भी दूर रखने के पूरे इंतजाम तो किए जाएँगे। यही वजह है कि अब तो कुछ भाजपा नेता मीडिया से यह अनुरोध करते पाए गए कि हमारा नाम संभावित मंत्री में मत लिखिए। बड़ी कसौटी होती थी कि किसके कितने नाम सही निकलेंगे, लेकिन अब मीडिया को इस झंझट से भी मुक्ति मिल गई। कहने को मंत्री पद पाने के लिए कई नेता नए कुर्ते सिलवाए बैठे हुए हैं लेकिन किसका नंबर लगेगा, किसका नाम कटेगा, यह कोई नहीं जानता। मध्यप्रदेश में इंदौर वाले कैलाशजी एकदम तैयार बैठे हैं, लेकिन अपने जूनियर के मंत्रिमंडल में शामिल होना उनके लिए कितना मुफीद होगा, और केंद्र उन्हें इस झंझट में किस हद तक डालेगा, यह भविष्य बताएगा। राजस्थान में भी यही हाल है। बड़े– बड़े नेता विधायक बने बैठे हैं। पहली बार के विधायक को मुख्यमंत्री बना दिया गया है। ऐसे में उनके हाथ के नीचे काम करना वरिष्ठों के लिए मुश्किल होगा। यही वजह है कि केंद्र को मंत्रियों की सूची तैयार करने में ज्यादा वक्त लग रहा है। इतना तो मुख्यमंत्री तय करने में भी नहीं लगा था। जहां तक शिवराज सिंह चौहान का सवाल है, वे दिल्ली न जाने और पार्टी से कुछ न माँगने की कल तक रट लगाए बैठे थे लेकिन दिल्ली से एक बुलावा आते ही झट ले दिल्ली चले गए और वहाँ से बयान भी दे दिया कि जो जिम्मेदारी पार्टी देगी, खुशी से उसे पूरा करेंगे। और कोई चारा भी नहीं था। फिलहाल सुना है कि उन्हें दक्षिण के राज्यों में भेजा जाएगा। वे लगभग तैयार भी हो गए हैं। दरअसल, पार्टी चाहती है कि मध्यप्रदेश से वे दूर रहें ताकि यहाँ की नई सरकार उनकी छाया से मुक्ति पा जाए। हालाँकि शिवराज ऐसा चाहते तो नहीं हैं लेकिन मजबूरी है, वे कर भी क्या सकते हैं? यही हाल राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का भी होगा, ऐसा लगता है।

बढ़ती सर्दी में नए संक्रमण से खुद को बचाने का समय है

क्या आप ऐसे किसी को जानते हैं, जिन्हें लंबे वक्त से खांसी हो और चंद हफ्ते से ज्यादा हो गए हों? हालांकि शुरुआती उपचार के बाद कुछ राहत होगी, लेकिन चंद दिनों बाद ही यह पूरी ताकत से लौटी होगी? क्या डॉक्टर ने मरीज से यथासंभव घर के अंदर रहने के लिए कहा है, ताकि प्रदूषण या किसी तरह के संक्रमण के संपर्क में ना आएं? घबराएं नहीं। इस लंबी–सूखी खांसी से अकेले वह ही पीड़ित नहीं हैं! कई अस्पतालों के डॉक्टर्स का कहना है कि ऐसे मरीज बढ़ रहे हैं। सामान्य फ्लू या वायरल के लक्षण आमतौर पर कुछ दिन में धीमे पड़ जाते हैं। लेकिन डॉक्टर्स द्वारा सामान्य संक्रमण के पर्याप्त उपचार के बावजूद हाल के हफ्तों में लंबी खांसी के मरीज मिल रहे हैं। रुटीन दवाओं के बावजूद खांसी ठीक नहीं हो रही है, जिससे मरीज की नींद पर असर पड़ रहा है। डॉक्टर्स का कहना है कि ये हालात वयस्कों और 65 साल से ऊपर के लोगों में ज्यादा देखने को मिल रहे हैं, खासतौर पर डायबिटीज, हाइपरटेंशन, गंभीर ब्रॉन्काइटिस, अस्थमा पीड़ितों में। पल्मोनोलॉजिस्ट (फेफड़े व सांस रोग विशेषज्ञ) के मुताबिक लंबे समय तक खांसी के पीछे कई कारक जिम्मेदार हैं जैसे बार–बार संक्रमण, ठंडा मौसम, सामाजिक दूरी नहीं रखना, ज्यादा प्रदूषण और संक्रमण में तेजी। और कोविड–19 संबंधी प्रतिबंध हटने के बाद जिस तरह से सावधानियां रखना छोड़ दी गईं, इससे शायद परेशानी और बढ़ी हो और बैक्टीरिया के साथ द्वितीयक संक्रमण का कारण बन रहा हो, जो लंबे समय तक खांसी का कारण बनता है। इस मंगलवार को इंसाकोग को ठ।.2.86 (संक्षिप्त नाम पिरोला) के वंशज जेएन.1 के 20 सीक्वेंस मिले हैं– 18 गोवा से और एक–एक महाराष्ट्र और केरल से– कुछ दिन पहले केरल में इस सब–वैरिएंट का पहली बार पता चलने के बाद से देश में पिछले नौ दिनों में कोविड मरीजों की संख्या दोगुनी (938 से 1970) हो गई है। पिछले 24 घंटों में केरल में 292 नए मरीज मिले हैं, जिनमें तीन की मौत हो गई। भारतीय सार्स सीओवी–2 जिनोमिकी संगठन (इंसाकोग) केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद व भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साथ संयुक्त रूप से शुरू किया गया है। यह जीनोमिक विकास की निगरानी के लिए 54 प्रयोगशालाओं का संघ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सब–वैरिएंट के कारण अमेरिका सहित विभिन्न देशों में कोविड के मामले बढ़ रहे हैं। जेएन.1 पश्चिमी देशों में सबसे तेजी से बढ़ता वैरिएंट है। एशिया में इसके मामले इंडोनेशिया और थाइलैंड में भी सामने आ रहे हैं। यह अप्रैल 2023 में आई हालिया लहर के दौरान इंसाकोग इंडिया द्वारा रिपोर्ट किए गए एक्सबीबी सीक्वेंस की बड़ी संख्या की तुलना में एक पूरे नए वैरिएंट के बारे में बताता है। और अब पूरे सात महीने बाद देश में कोविड फिर बढ़ रहा है। पल्मोनोलॉजिस्ट मानते हैं कि बहुत ज्यादा प्रदूषण और ठंड ने स्थिति और गंभीर कर दी है। देश के तीन राज्यों में मिल रहे नए मरीजों को देखते हुए अब हमें खुद का ध्यान रखने की जरूरत है। हम क्या करें? सुनिश्चित करें कि अगर घर पर कमजोर इम्यूनिटी वाला व्यक्ति है, गंभीर बीमारी वाले बुजुर्ग, गर्भवती महिला हैं तो सार्वजनिक जगहों पर वह मास्क पहनें, नए वैरिएंट से बचने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग रखें। सबको हाथों की सफाई का ख्याल रखना होगा, सोशल डिस्टेंसिंग के साथ भीड़भाड़ वाली और सटकर बनी सार्वजनिक जगहों पर जाने से बचें। संक्रमित और गैर–संक्रमित दोनों के लिए एहतियात के तौर पर संक्रमित लोगों को घर पर ही आइसोलेट करें। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर उबला पानी पीने व ताजे पके स्वच्छ भोजन की आदत है, तो 80: समस्याओं से वैसे ही बच जाएंगे। फंडा यह है कि डॉक्टर के परामर्श के हिसाब से अपनी सुरक्षा रखने के साथ खांसने–छींकने के एटीकेट रखें (पर्याप्त रुमाल और हैंड टॉवल रखें) और जो ऐसा नहीं करते, उनसे दूर रहें। जेएन.1 पश्चिमी देशों में सबसे तेजी से बढ़ता वैरिएंट है। एशिया में इसके मामले इंडोनेशिया और थाइलैंड में भी सामने आ रहे हैं।

दक्षिण को जोड़ने की सियासी कवायद

राजगोपालन

तमिल संगमम दरअसल तमिल को हिंदी और तमिलवासियों को उत्तर भारतीयों से जोड़ने वाला एक प्रगतिशील कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम उत्तर और दक्षिण भारत के बीच ऐतिहासिक एवं सभ्यता संबंधी कई पहलुओं से जुड़ा है। इसका प्रमुख उद्देश्य उत्तर व दक्षिण भारत की सांस्कृतिक परंपराओं को नजदीक लाना, देश की साझा विरासत की समझ विकसित करना और इन क्षेत्रों के लोगों के बीच संबंध को और मजबूत करना है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा संस्कृति, कपड़ा, रेलवे, पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना और प्रसारण आदि मंत्रालयों तथा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन आईआईटी, मद्रास और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि काशी और तमिलनाडु प्राचीन भारत में शिक्षा और संस्कृति के दो महत्वपूर्ण केंद्र थे। ऐसे में, इस कार्यक्रम का लक्ष्य साझा विरासत की समझ का निर्माण तथा इन दोनों क्षेत्रों के लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करते हुए ज्ञान और संस्कृति की इन दो परंपराओं को एक साथ लाना है। दो संस्कृतियों के बीच प्राचीन बौद्धिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और कारीगरी संबंधों के बारे में फिर से जानकारी प्राप्त करना और इन्हें सशक्त बनाना भी इस उत्सव का लक्ष्य है। इस कार्यक्रम के दौरान तमिलनाडु और वाराणसी के विभिन्न सांस्कृतिक समूह काशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे हैं।

संगमम का उद्घाटन करते वक्त खुद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस संगमम की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई देगी। उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु से काशी आने का मतलब है कि महादेव के एक घर से दूसरे घर में जाना। तमिलनाडु से काशी आने का मतलब है, मदुरै मीनाक्षी के यहां से काशी विशालाक्षी के यहां आना। इसीलिए तमिलनाडु और काशीवासियों के बीच हृदय में जो प्रेम है, जो संबंध है, वह अलग और अद्वितीय है। पंद्रह दिनों के इस आयोजन में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम होने हैं। महाकाव्यों का वाचन, सेमिनार और उत्तर प्रदेश के मंदिरों की झलक भी देखने को मिलेगी। काशी तमिल संगमम भारत की सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है और श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश की भावना को मजबूत करता है। दोनों भौगोलिक क्षेत्रों के बीच काव्यात्मक संबंध केदार घाट पर संत–कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा में भी परिलक्षित होते हैं। तमिलनाडु के प्रतिनिधि वाराणसी की जीवंत सांस्कृतिक सहानुभूति का अनुभव कर रहे हैं और मनमोहक प्रस्तुतियां गंगा के किनारे स्थित पवित्र शहर की साझा संस्कृतियों की कालातीत कहानी बता रही हैं।

काशी तमिल संगमम कार्यक्रम हमारी ज्वलंत संस्कृति और भारतीयों के बीच गहरे तक जुड़े संबंधों का जश्न मनाता है। यह श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश की भावना को आगे बढ़ाता है, जिसकी पहचान आध्यात्मिक विश्वासों में भी निहित है। काशी तमिल संगमम के दूसरे संस्करण में साहित्य, प्राचीन ग्रंथ, दर्शन, अध्यात्म, संगीत, नृत्य, नाटक, योग और आयुर्वेद पर व्याख्यान भी होंगे। इसके अतिरिक्त, 'नवाचार, व्यापार, ज्ञान विनिमय, शिक्षा तकनीक और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी' पर संगोष्ठी कराने की योजना बनाई गई है। लेकिन इसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। भाजपा दरअसल, तमिलनाडु के द्रविड़ तर्क में राष्ट्रवाद को पिरोना चाहती है। अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में मोदी वाराणसी में एक वार्षिक उत्सव के रूप में काशी तमिल संगमम को मनाने की बात बार–बार दोहराते रहे हैं। संगमम का उद्घाटन करते वक्त खुद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस संगमम की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई देगी। उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु से काशी आने का मतलब है कि महादेव के एक घर से दूसरे घर में जाना। तमिलनाडु से काशी आने का मतलब है, मदुरै मीनाक्षी के यहां से काशी विशालाक्षी के यहां आना। इसीलिए तमिलनाडु और काशीवासियों के बीच हृदय में जो प्रेम है, जो संबंध है, वह अलग और अद्वितीय है। पंद्रह दिनों के इस आयोजन में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम होने हैं। महाकाव्यों का वाचन, सेमिनार और उत्तर प्रदेश के मंदिरों की झलक भी देखने को मिलेगी।

काशी तमिल संगमम भारत की सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है और श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश की भावना को मजबूत करता है। दोनों भौगोलिक क्षेत्रों के बीच काव्यात्मक संबंध केदार घाट पर संत–कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा में भी परिलक्षित होते हैं। तमिलनाडु के प्रतिनिधि वाराणसी की जीवंत सांस्कृतिक सहानुभूति का अनुभव कर रहे हैं और मनमोहक प्रस्तुतियां गंगा के किनारे स्थित पवित्र शहर की साझा संस्कृतियों की कालातीत कहानी बता रही हैं। इससे पहले थिरुक्कुरल को 16 अनुवादित संस्करणों (10 भारतीय भाषाओं, पांच विदेशी भाषाओं) और ब्रेल लिपि में जारी करने से जनमानस में भाजपा की सकारात्मक छवि बन रही है। इसके अलावा, उनकी खास पहल पर मणिमेखलाई सहित 46 तमिल व्याकरण ग्रंथों, संगम साहित्य और शास्त्रीय तमिल ग्रंथों के अनूदित संस्करण जारी करने से तमिल भाषियों में उनका सम्मान बढ़ा है। जाहिर है कि एक खास उद्देश्य से शुरू किए गए इस संगमम को भाजपा पूरी गंभीरता से ले रही है। इससे काशी और तमिलवासियों के सांस्कृतिक एकीकरण का विचार द्रविड़ आंदोलन के मानस में गहराई से उतारने में कामयाबी मिली है। लोकसभा चुनाव से पहले दक्षिण को साधने के उद्देश्य के साथ भाजपा ने काशी से कन्याकुमारी के बीच ट्रेन चलाई है। इसी ट्रेन से तमिलनाडु से आमंत्रित लोगों को बनारस लाया जा रहा है। मेहमानों की देखभाल का जिम्मा केंद्र सरकार के कई विभागों को दिया गया है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने भी इन्हें विशेष अतिथि का दर्जा दिया है। साथ ही सरकारी खर्च पर सभी को प्रयागराज और अयोध्या घुमाने की व्यवस्था भी की गई है। इन सभी प्रयासों की वजह सिर्फ यही है कि उत्तर और दक्षिण को जोड़ा जाए। इसके अलावा, तथ्य यह भी है कि मोदी, योगी और अमित शाह की त्रिमूर्ति ने सधे कदमों के साथ दक्षिण भारत के संदर्भ में एक नई नीति पर चलने का फैसला किया। ठीक वैसे ही जैसे भाजपा ने वर्ष 2019 में अपने दूसरे कार्यकाल के बाद जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का फैसला लिया था। भाजपा कुछ वैसा ही दक्षिण भारत में अपने वोटों में इजाफा करने के लिए करना चाह रही है। वर्ष 2024 में अपने तीसरे कार्यकाल की चाह रखने वाली भाजपा ने इस संगमम के जरिये उत्तर व दक्षिण के बीच एक सांस्कृतिक सेतु स्थापित किया है। भाजपा समझ गई है कि द्रविड़ अवधारणा तेजी से अपना प्रभाव खो रहे हैं। ऐसे में यही समय है, जब राष्ट्रवाद की अवधारणा को वहां जगह दी जाए। काशी तमिल संगमम का एक राजनीतिक कारण तेलंगाना में कांग्रेस की जीत भी है। जाहिर है कि अब भाजपा के लिए दक्षिण की ओर देखो नीति को आगे बढ़ाने का समय आ गया है। कुछ नेताओं ने ट्वीट किया कि कांग्रेस दक्षिण के लिए और भाजपा उत्तर के लिए है। दिलचस्प बात यह है कि मोदी इसी विचार पर प्रहार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने काशी तमिल संगमम के उद्घाटन समारोह में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग अपने भाषण में भी किया, जिसकी बदौलत तमिल छात्रों को रिअल टाइम में तमिल में प्रधानमंत्री मोदी के भाषण को सुनने का रोमांचक अवसर मिला।

इस तकनीक की बदौलत प्रधानमंत्री मोदी के सभी बाधाओं को ध्वस्त करते हुए बगैर मानवीय हस्तक्षेप के लक्ष्यों को पाने के विजन की ओर बढ़ने में मदद मिलेगी। संगमम का उद्घाटन करते वक्त खुद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस संगमम की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई देगी। उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु से काशी आने का मतलब है कि महादेव के एक घर से दूसरे घर में जाना। तमिलनाडु से काशी आने का मतलब है, मदुरै मीनाक्षी के यहां से काशी विशालाक्षी के यहां आना। इसीलिए तमिलनाडु और काशीवासियों के बीच हृदय में जो प्रेम है, जो संबंध है, वह अलग और अद्वितीय है। पंद्रह दिनों के इस आयोजन में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम होने हैं। महाकाव्यों का वाचन, सेमिनार और उत्तर प्रदेश के मंदिरों की झलक भी देखने को मिलेगी। काशी तमिल संगमम भारत की सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है और श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश की भावना को मजबूत करता है। दोनों भौगोलिक क्षेत्रों के बीच काव्यात्मक संबंध केदार घाट पर संत–कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा में भी परिलक्षित होते हैं। तमिलनाडु के प्रतिनिधि वाराणसी की जीवंत सांस्कृतिक सहानुभूति का अनुभव कर रहे हैं और मनमोहक प्रस्तुतियां गंगा के किनारे स्थित पवित्र शहर की साझा संस्कृतियों की कालातीत कहानी बता रही हैं। इससे पहले थिरुक्कुरल को 16 अनुवादित संस्करणों (10 भारतीय भाषाओं, पांच विदेशी भाषाओं) और ब्रेल लिपि में जारी करने से जनमानस में भाजपा की सकारात्मक छवि बन रही है। इसके अलावा, उनकी खास पहल पर मणिमेखलाई सहित 46 तमिल व्याकरण ग्रंथों, संगम साहित्य और शास्त्रीय तमिल ग्रंथों के अनूदित संस्करण जारी करने से तमिल भाषियों में उनका सम्मान बढ़ा है। जाहिर है कि एक खास उद्देश्य से शुरू किए गए इस संगमम को भाजपा पूरी गंभीरता से ले रही है। इससे काशी और तमिलवासियों के सांस्कृतिक एकीकरण का विचार द्रविड़ आंदोलन के मानस में गहराई से उतारने में कामयाबी मिली है। लोकसभा चुनाव से पहले दक्षिण को साधने के उद्देश्य के साथ भाजपा ने काशी से कन्याकुमारी के बीच ट्रेन चलाई है। इसी ट्रेन से तमिलनाडु से आमंत्रित लोगों को बनारस लाया जा रहा है।

एक ऐसा महाद्वीप, जो सबके विकास को धीमा कर रहा है

पूरी दुनिया में निर्मित 'बेबी बस्ट' की स्थिति चीन और जापान से लेकर जर्मनी और अमेरिका तक हर प्रमुख अर्थव्यवस्था में विकास की गति को धीमा कर रही है। लेकिन इस कहानी का दूसरा पहलू अनकहा है। वो यह कि जो अर्थव्यवस्थाएं अब भी जनसंख्या वृद्धि से बूस्ट पा सकती थीं, वे भी ऐसा करने में विफल हो रही हैं। वैश्विक विकास के लिए सबसे बड़ी समस्या अफ्रीका है, जहां आज डेढ़ अरब लोग रहते हैं। 2030 तक प्रत्येक तीन कामगारों में से एक इस महाद्वीप का होगा। अगर दुनिया की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ना है तो इसके लिए अफ्रीका को इन कामगारों को काम देने और अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने का तरीका खोजना होगा। अभी तो ऐसा नहीं हो रहा है। मेरी रिसर्च बताती है कि कामकाजी आबादी में कम से कम दो प्रतिशत की वृद्धि चमत्कारिक आर्थिक विकास यानी कम से कम छह प्रतिशत की निरंतर गति के लिए आवश्यक है। 2000 तक, 110 देशों में कामकाजी उम्र की जनसंख्या में इतनी ही तेजी से वृद्धि हुई थी और इनमें से लगभग आधे अफ्रीका में थे। अब ऐसे देश केवल 58 हैं, जिनमें से 41 या दो–तिहाई से अधिक अफ्रीका में हैं। यदि अफ्रीका दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसी पूर्वी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के समान ही जनसंख्या वृद्धि का लाभ उठाने में सक्षम होता तो विश्व अर्थव्यवस्था में उसका हिस्सा आज की तुलना में कम से कम तीन गुना अधिक होता। आज यह मात्र 3: है। इससे वैश्विक आर्थिक वृद्धि भी हाल के औसत 2.5: से अधिक तीव्र गति से होती। पिछले पांच वर्षों में, 54 अफ्रीकी अर्थव्यवस्थाओं में से केवल तीन ही छह प्रतिशत से अधिक की वार्षिक दर से बढ़ी हैं– इथियोपिया, बेनिन और रवांडा। यह संख्या 2010 में 12 थी। एक भी अफ्रीकी अर्थव्यवस्था ने औसत प्रति व्यक्ति आय में बदलावकारी लाभ नहीं देखा है, और आधे देशों में तो गिरावट देखी गई है। इनमें इस महाद्वीप के पांच सबसे बड़े देशों में से तीन– नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका और अल्जीरिया भी शामिल हैं। अफ्रीका श्रमिकों की संख्या में तो इजाफा कर रहा है, लेकिन प्रति श्रमिक उत्पादन नहीं बढ़ा पा रहा है। जबकि एशिया में तेज गति से आर्थिक विकास करने वाले देशों ने किसानों को मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में लाकर प्रति श्रमिक उत्पादन में बढ़ावा किया है। ताइवान जैसी अतीत की मैन्युफैक्चरिंग शक्ति अब हाईटेक के क्षेत्र में चली गई है। लेकिन अफ्रीकी देश मैन्युफैक्चरिंग की स्टेज को सीधे लांघकर डिजिटल युग में छलांग लगा सकेंगे, ये आशाएं फलीभूत नहीं हुई हैं। कुछ तकनीकी निवेशक आज भी उन्हीं अफ्रीकी डिजिटल अवसरों के बारे में चर्चा कर रहे हैं, जिनके बारे में वे एक दशक पहले बात कर रहे थे। इसी तरह ये उम्मीदें भी नाकाम रही हैं कि सेवा क्षेत्र उन्हें समृद्धि का वैकल्पिक मार्ग प्रदान कर सकता है। एक समय चीन और अन्य एशियाई शक्तियों को भी ष्बास्केट केसेसश कहकर खारिज कर दिया गया था, लेकिन उनका आर्थिक उत्थान इतनी तेजी से हुआ है कि इसने सबको चकित कर दिया है। कठिन वैश्विक परिस्थितियों और अंदरूनी समस्याओं के कारण भी अफ्रीका अपनी क्षमताओं को अर्जित नहीं कर पा रहा है। 1960 के दशक में पूर्वी एशिया की तुलना में अफ्रीका का औसत कामगार लगभग 50: अधिक उत्पादक थाय लेकिन अब उसकी तुलना में एक सामान्य पूर्वी एशियाई कामगार तीन गुना अधिक उत्पादक हो गया है। इसका एक कारण तो नेतृत्व है। दुनिया की 20 सबसे भ्रष्ट सरकारों में से चौदह अफ्रीका में हैं। 2010 में ये दस थीं। एशिया में शक्तिशाली नेताओं ने अपने देशों की समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जबकि अफ्रीका में ताकतवर नेता सड़क, रेलवे, अच्छे स्कूल आदि तैयार किए बिना ही केवल खुद को बनाए रखने की कोशिश करते रहते हैं। बोट्सवाना एक समय इस महाद्वीप की सबसे आशाजनक कहानी थी, लेकिन वह विविधता लाने का कोई रास्ता नहीं ढूंढ पाया है और आज 3: की दर से बढ़ रहा है। और नाइजीरिया में– जो यूएई जितना बड़ा हो सकता था– पिछले पांच वर्षों से औसत आय घट रही है। हाल ही में जब मैंने केन्या का दौरा किया तो उसके बुनियादी ढांचे के निर्माण में चीन की छाप हर जगह दिखाई दे रही थी। लेकिन उसका आर्थिक विकास अभी भी निराशाजनक है, और वह चीन के कर्जों को चुकाने के लिए संघर्ष कर रहा है। वहां पर बार–बार बिजली गुल होना इस बात का संकेत है कि अफ्रीका के अन्य देशों की तरह केन्या में अभी भी बहुत कम निवेश आ रहा है। आगामी तीन दशकों में दुनिया की कामकाजी आबादी में 2 अरब लोगों की वृद्धि होगी और इनमें से लगभग 80: कामगार अफ्रीका में होंगे।

शरणार्थियों की मुश्किलों के बीच सिर उठा रहा है एक सियासी संकट

टीटीपी चाहता है कि पाकिस्तान में भी अफगानिस्तान की तरह शरीयत इस्लामी राज लागू कायम हो। इसी साल पाक में 24 बम धमाके हुए, जिसमें अफगान नागरिकों की भूमिका सामने आई। वे लगभग डेढ़ दशक से पाकिस्तान के खिलाफ लड़ रहे हैं। हाल ही में उत्तर पश्चिम पाकिस्तान में पुलिस मुख्यालय पर आतंकी हमला हुआ, जिसमें 23 पुलिस वाले मारे गए और इसी क्षेत्र में हुई एक अन्य घटना में कई सैनिकों की जान चली गई। ये दोनों घटनाएं इसकी ताजा मिसाल हैं। पाकिस्तान ने तस्करी बंद करने के लिए अफगान ट्रांजिट समझौते पर रोक भी लगा दी है। ऐसे 12 पदार्थ हैं, जो पाकिस्तान से अफगानिस्तान में नहीं जा सकते। इनमें चाय की पत्ती, कॉस्मेटिक, ताजा फल आदि शामिल हैं, जिससे अफगानियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

कुलदीप तलवार

पाकिस्तान में लगभग 40 लाख अफगानी नागरिक हैं, जिनमें 17 लाख अवैध रूप से रह रहे हैं। उन्हें निकालने के लिए पाकिस्तान में जोरदार अभियान चल रहा है। जो पाकिस्तान नहीं छोड़ना चाहते, उन्हें जबर्दस्ती भेजा जा रहा है। प्रतिदिन लगभग 10 हजार अफगानी सामान बांधकर परिवार सहित अफगानिस्तान लौट रहे हैं। पाकिस्तानी हुकूमत ने उन्हें एक नवंबर तक देश छोड़ने की चेतावनी दी थी। इसे अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने खारिज करते हुए कहा कि उसके नागरिकों के साथ हो रही बदसलूकी को किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा। पाकिस्तान की घरेलू समस्याओं के लिए हम जिम्मेदार नहीं हैं। एक समय ऐसा भी था, जब पाकिस्तान ने अफगानियों के लिए अपने दरवाजे खोल दिए थे। शुरू में जो शरणार्थी कैंपों में रहते थे, वे पूरे मुल्क में फैल गए। इनमें बहुत से ऐसे भी थे, जिन्होंने ईमानदारी से रोजी–रोटी कमाई, लेकिन कुछ ऐसे भी थे, जो गैर कानूनी गतिविधियों में लिप्त थे। हथियारों एवं मादक पदार्थों की तस्करी में उन लोगों का बड़ा हाथ था। गौरतलब है कि पाकिस्तान की माली हालत बहुत बदहाल है। उसके अपने नागरिकों को गुजर–बसर करने में मुश्किल हो रही है, ऐसे में शरणार्थियों की इतनी बड़ी भीड़ का खर्च वहन करना उसके लिए बड़ी समस्या है। अफगानिस्तान में जो तालिबान की जंग शुरू हुई, तो उसे पाकिस्तान ने अपनी जंग मान ली। अफगान तालिबान और तहरीक–ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के गहरे संबंध हैं, जो मिलकर पाकिस्तान में मिलकर बम धमाके कर रहे हैं। दरअसल अफगानी तालिबान सीमा पार करके पाकिस्तान में दाखिल हो जाते हैं और वहां हिंसक कार्रवाइयों को अंजाम देकर लौट जाते हैं। टीटीपी चाहता है कि पाकिस्तान में भी अफगानिस्तान की तरह शरीयत इस्लामी राज लागू कायम हो। इसी साल पाक में 24 बम धमाके हुए, जिसमें अफगान नागरिकों की भूमिका सामने आई। वे लगभग डेढ़ दशक से पाकिस्तान के खिलाफ लड़ रहे हैं। हाल ही में उत्तर पश्चिम पाकिस्तान में पुलिस मुख्यालय पर आतंकी हमला हुआ, जिसमें 23 पुलिस वाले मारे गए और इसी क्षेत्र में हुई एक अन्य घटना में कई सैनिकों की जान चली गई। ये दोनों घटनाएं इसकी ताजा मिसाल हैं। पाकिस्तान ने तस्करी बंद करने के लिए अफगान ट्रांजिट समझौते पर रोक भी लगा दी है। ऐसे 12 पदार्थ हैं, जो पाकिस्तान से अफगानिस्तान में नहीं जा सकते। इनमें चाय की पत्ती, कॉस्मेटिक, ताजा फल आदि शामिल हैं, जिससे अफगानियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। काबुल में तालिबानी शासन के दौरान यह व्यापारिक समस्या शुरू हुई है। अफगानिस्तान नागरिकों को उस समय वापस भेजा जा रहा है, जब उन्हें अपने भविष्य का पता नहीं है। उन्हें यह भी पता नहीं कि उनके खाने–पीने की जरूरी चीजें कहां से उपलब्ध होंगी या वे उन्हें मिलेंगी भी या नहीं। जो पहले से वहां रह रहे हैं, उनमें से अधिकांश भुखमरी का सामना कर रहे हैं। अफगान नागरिकों को करोड़ों डॉलर मदद की जरूरत है। उधर वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने साफ कह दिया है कि उसके पास फंड की कमी है, इसलिए अब उन्हें मदद जारी नहीं रखी जा सकती। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान से अफगानिस्तान नागरिकों को बाहर निकलना मानव अधिकारों का गंभीर हनन है। अफगानिस्तान पहले ही गंभीर मानवीय संकट से गुजर रहा है। वहां महिलाओं व लड़कियों को छठी से कक्षा से आगे पढ़ने पर रोक लगा दी गई है और वे नौकरी भी नहीं कर सकतीं। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सदियों से भाईचारे के रिश्ते हैं, लेकिन शरणार्थी मुद्दे को लेकर दोनों मुल्कों के रिश्तों में खटास आ गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब तक किसी देश ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है। अफगानिस्तान आज जिस बदहाली का शिकार है, वह पाकिस्तान समेत उसके तमाम पड़ोसियों के लिए सिरदर्द बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को इस मसले पर संजीदगी से ध्यान देना चाहिए, अन्यथा आगे चलकर क्षेत्र की शांति के लिए खतरा पैदा हो सकता है। अफगानिस्तान की कार्यवाहक तालिबान सरकार ने अगर मुल्क में फैली दहशतगर्दी को बंद करके हालात पर काबू नहीं पाया और पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध नहीं बनाए, तो मुल्क उनके हाथ से निकल सकता है। टीटीपी चाहता है कि पाकिस्तान में भी अफगानिस्तान की तरह शरीयत इस्लामी राज लागू कायम हो। इसी साल पाक में 24 बम धमाके हुए, जिसमें अफगान नागरिकों की भूमिका सामने आई। वे लगभग डेढ़ दशक से पाकिस्तान के खिलाफ लड़ रहे हैं। हाल ही में उत्तर पश्चिम पाकिस्तान में पुलिस मुख्यालय पर आतंकी हमला हुआ, जिसमें 23 पुलिस वाले मारे गए और इसी क्षेत्र में हुई एक अन्य घटना में कई सैनिकों की जान चली गई। ये दोनों घटनाएं इसकी ताजा मिसाल हैं। पाकिस्तान ने तस्करी बंद करने के लिए अफगान ट्रांजिट समझौते पर रोक भी लगा दी है। ऐसे 12 पदार्थ हैं, जो पाकिस्तान से अफगानिस्तान में नहीं जा सकते। इनमें चाय की पत्ती, कॉस्मेटिक, ताजा फल आदि शामिल हैं, जिससे अफगानियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। काबुल में तालिबानी शासन के दौरान यह व्यापारिक समस्या शुरू हुई है। अफगानिस्तान नागरिकों को उस समय वापस भेजा जा रहा है, जब उन्हें अपने भविष्य का पता नहीं है। उन्हें यह भी पता नहीं कि उनके खाने–पीने की जरूरी चीजें कहां से उपलब्ध होंगी या वे उन्हें मिलेंगी भी या नहीं। जो पहले से वहां रह रहे हैं, उनमें से अधिकांश भुखमरी का सामना कर रहे हैं। अफगान नागरिकों को करोड़ों डॉलर मदद की जरूरत है। उधर वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने साफ कह दिया है कि उसके पास फंड की कमी है, इसलिए अब उन्हें मदद जारी नहीं रखी जा सकती। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान से अफगानिस्तान नागरिकों को बाहर निकलना मानव अधिकारों का गंभीर हनन है। अफगानिस्तान पहले ही गंभीर मानवीय संकट से गुजर रहा है। वहां महिलाओं व लड़कियों को छठी से कक्षा से आगे पढ़ने पर रोक लगा दी गई है और वे नौकरी भी नहीं कर सकतीं। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सदियों से भाईचारे के रिश्ते हैं, लेकिन शरणार्थी मुद्दे को लेकर दोनों मुल्कों के रिश्तों में खटास आ गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब तक किसी देश ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है। अफगानिस्तान आज जिस बदहाली का शिकार है,।

सनातन धर्म की रक्षा करने वाले महान योद्धा पराक्रमी वीर सपूतों की जीवनी पर प्रकाश डाला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। साहिब श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज के चारों साहिबजादों एवं उनकी माता, माता गुजर कौर जी के शहीदी दिवस को समर्पित जन समाज सेवा संस्था द्वारा मेडिकल कॉलेज लखनऊ में मरीजों एवं उनके परिजनों व सरवत के भले की अरदास ज्ञानी अनेक सिंह ने की ज्ञानी कुलदीप सिंह ने आज के दिन चमकौर युद्ध में बडे साहिबजादे बाबा अजीत सिंह साहिबजादा बाबा जुझार सिंह और अन्य सीखो की शहादत को शत–शत नमन करते हुए सनातन धर्म की रक्षा करने वाले महान योद्धा पराक्रमी वीर सपूतों की जीवनी पर प्रकाश डाला जिसके पश्चात संस्था द्वारा चाय नाश्ता वितरित किया गया संस्था के अध्यक्ष सरदार रनजीत सिंह ने शहीदों की शहादत को नमन करते हुए कहां की ऐसी वीरता की मिसाल दूर–दूर तक देखने को नहीं मिलती इस कार्यक्रम में भाग ले रहे सुनील कुमार अग्रवाल कमलजीत सिंह मनरीत सिंह बलवंत सिंह का धन्यवाद किया।

प्राण प्रतिष्ठा में आने से वाले अतिथियो को मुहैया कराया जाए बेहतर चिकित्सा सुविधा - बृजेश पाठक

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर डिप्टी सीएम ने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों संग की बैठक

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) शनिवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक की अध्यक्षता में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के तैयारी को लेकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारियों के सम्बंध में अधिकारियों संग बैठक किया। बताते चलें कि यह महत्वपूर्ण बैठक अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय में आयोजित की गई थी। जिसमें प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने वर्तमान समय में अयोध्या में स्थित विभिन्न चिकित्सालयों में उपलब्ध सुविधाओं आदि के बारे में स्वास्थ्य अधिकारियों से जानकारी प्राप्त किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम जी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर पूरे भारत एवं विश्व की नजर है। इसके लिए हम सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अयोध्या आने वाले विशिष्ट जनों श्रद्धालुओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का दायित्व है।जिसके चलते अभी से ही रणनीति बनाकर राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दृष्टिगत सभी तैयारियां पूर्व से ही कर लिया जाय।उन्होने कहा कि अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान अयोध्या के आसपास के जनपदों के हास्पिटलो में सभी सुविधाओं की तैयारियां कर ली जाय।इस मौके पर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जा रही तैयारियों आदि के सम्बंध में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक को विधिवत जानकारी दिया।वही कमिश्नर गौरव दयाल ने विभाग द्वारा की जा रही तैयारियों के सम्बंध में प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया तथा जिलाधिकारी नितीश कुमार ने स्वास्थ्य सम्बंधी विभिन्न बिन्दुओ के सम्बंध में अवगत कराया।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चम्पत राय ने ट्रस्ट द्वारा की जा रही स्वास्थ्य सम्बंधी तैयारियों के सम्बध में विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।इस मौके पर मेयर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, नगर विधायक वेदप्रकाश गुप्ता, श्रीराम जन्मभूमि न्यास के सदस्य डा0 अनिल मिश्रा,महानिदेशक स्वास्थ्य डा0 दीपा त्यागी,अपर निदेशक स्वास्थ्य सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी,सीएमओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सिद्ध शक्तिपीठ सत्य मंदिर में आध्यात्मिक चर्चा का कार्यक्रम हुआ सम्पन्न।

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ । प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्सिद्ध शक्तिपीठ सत्य मंदिरश, इंदिरा नगर लखनऊ एवं श्सिद्ध शक्तिपीठ सत्यतीर्थ आश्रमश भवानीपुर, अनोरा कला, फैजाबाद रोड लखनऊ की पावन भूमि पर श्भगवान के ऊँ रूप दर्शनश का वार्षिक समारोह श्आध्यात्मिक गुरु दिव्य शक्ति मां पूनम जीश एवं श्दिव्य शक्ति योगीराज श्री अभिनव महाराज जीश की पावन उपस्थिति में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का आरंभ भगवान की वाणी के पाठ से हुआ।

22 दिसंबर 1979 को श्श्री कृष्णचेतनावतार देवी मांश ने भगवान के लिए श्लिपि रूपश पर जब प्रसाद अर्पित किया, तब उनके पावन कर कमलों के स्पर्श मात्र से, प्रसाद में भगवान ने रूप में दर्शन दिया । उस दिन से प्रत्येक वर्ष श्भगवान का ऊँ रूप दर्शनश का वार्षिक समारोह श्सिद्ध शक्तिपीठ सत्य मंदिरश में मनाया जाता है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा आध्यात्मिक चर्चा। आध्यात्मिक गुरु दिव्य शक्ति मां पूनम जी एवं दिव्य शक्ति योगीराज श्री अभिनव महाराज जी के श्री मुख से, भारतवर्ष के अनेक शहरों से आए हजारों भक्त जनों ने अपने–अपने आध्यात्मिक प्रश्न एवं जिज्ञासाओं समाधान पाया। कर्मकांड, अंधविश्वास, एवं जाति प्रथा में उलझे हुए भक्त जनों को जीवन जीने की सही दिशा एवं उचित मार्गदर्शन प्राप्त हुआ जिस पाकर उनका चित्र शांत हुआ और मन प्रकाशित हुआ। आध्यात्मिक गुरु दिव्य शक्ति मां पूनम जी जी ने बताया कि आज के समाज में मनुष्यों के कष्टों को और संघर्षों का मुख्य कारण है कि उसने अपने आप को अलग–अलग जाति और धर्म की जंजीरों में बांध रखा है जिनसे वह मुक्त होना ही नहीं चाहता है, जबकि भगवान के अनुसार जाति है इंसान की, धर्म है मानवता का।श्री कृष्णचेतनावतार देवी मांश की भागवत शक्ति चालित देखने के माध्यम से 31 मार्च सन 72 से भगवान ने श्लिपि रूपश में अपना संदेश देना आरंभ किया , जो श्आध्यात्मिक गुरु दिव्य शक्ति मां पूनम जीश एवं श्दिव्य शक्ति योगीराज श्री अभिनव महाराज जीश के कर कमलों से निरंतर प्रवाहित हो रहा है, जिसके लगभग 400 से भी अधिक वाणी खंड प्रकाशित किए जा चुके हैं, जिनके अध्ययन – मनन –चिंतन से देश– विदेश में रहने वाले हजारों भक्तगण अपने जीवन में समाए असाध्य रोगों , कष्टों, संघर्षों से मुक्ति पा रहे हैं। प्रवचन के उपरांत श्श्री कृष्णचेतनावतार देवी मांश द्वारा लिखित भजन हुए एवं आरती व प्रसाद का कार्यक्रम हुआ।

खेल से बच्चों में होता है सर्वांगीण विकास - विधायक राम चन्दर

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) डॉ भीमराव अंबेडकर विद्यालयी क्रीड़ा संस्थान स्पोर्ट्स स्टेडियम मकबरा पर जनपदीय बेसिक शिक्षा क्रीडा प्रतियोगिता के अंतिम दिन रुदौली विधायक रामचंद्र यादव,एडी बेसिक रमासागर त्रिपाठी,जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्राचार्य जय प्रताप सिंह ने बच्चों को पुरस्कार प्रदान करते हुए समापन किया।इस अवसर पर परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने मनमोहक स्वागत गीत से अतिथियों का स्वागत करते हुए मंत्रमुग्ध कर दिया साथ ही कई शानदार खेल प्रस्तुत किया,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय ने सभी अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि रुदौली विधायक राम चंद्र यादव ने कहा कि कि खेलों से बच्चों में अच्छा करने की प्रतिस्पर्धा बढ़ती है।उनका सर्वांगीण विकास होता है।जिससे बच्चे खेलों के माध्यम से भी माता–पिता व गुरुजनों का नाम रोशन करते हैं, डायट प्राचार्य जय प्रताप सिंह ने कहा कि ब्लॉक स्तर की खेल प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ियों ने जिला क्रीडा प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।यहां के विजेता प्रतिभागी बच्चे मंडल स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे खेलकूद को बढ़ावा देना बहुत महत्वपूर्ण है।शिक्षा के साथ–साथ खेलकूद भी चलना चाहिए।इससे बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है।एडी बेसिक रामसागर पर त्रिपाठी ने कहा कि खेल खेल में शिक्षा से शिक्षण कार्य को और रुचिकर बना सकते हैं।खेल खेल से बच्चों में शारीरिक विकास के साथ–साथ मानसिक विकास भी होता है।क्योंकि शारीरिक विकास बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। उन्होंने कहा कि खेल का बहुत महत्व है खेल के महत्व को रेखांकित करने के लिए खेल प्रतियोगिता आयोजित की जाती है।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय ने शिक्षको से आह्वान किया कि सभी शिक्षक अपने बच्चो को खेलकूद के लिए प्रेरित करे और हमेशा नए रिकार्ड बनाने के लिए नए लक्ष्य के साथ कार्य करें।जनपदीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में कुल 16 प्रतियोगिताओं में बच्चो को प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला।खेलकूद प्रतियोगिता में विजेता और उपविजेता बच्चों को विधायक राम चंद्र यादव ,डायट प्राचार्य जय प्रताप सिंह एडी बेसिक राम सागर पति त्रिपाठी और बीएसए संतोष कुमार राय ने पुरुस्कार प्रदान किए।इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष विश्वनाथ सिंह,जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष अरुण तिवारी महामंत्री चंद्रजीत यादव कोषाध्यक्ष मोहम्मद तारिक, प्राथमिक शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष नील मणि त्रिपाठी, महामंत्री चक्रवर्ती सिंह,प्रा शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष संजय सिंह जिला महामंत्री प्रेम कुमार वर्मा ,कोषाध्यक्ष सचिन त्रिपाठी कोषाध्यक्ष वीरेंद्र भारती,अटेवा जिलाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह,वेलफेयर एसो जिलाध्यक्ष अनुज सिंह, डॉ नीरज शुक्ला,मीडिया प्रभारी अनूप दूबे,संयोजक पंकज यादव,मनोरमा साहू जिलाध्यक्ष,रीना गुप्ता महामंत्री ,नोडल अधिकारी राजेश कुमार सिंह,खंड शिक्षा अधिकारी अमित श्रीवास्तव,तारकेश्वर पांडेय,शैलेंद्र कुमार,रमाकांत राम,अनिल कुमार सिंह,शैलजा मिश्रा,रिचा सिंह जिला व्यायाम शिक्षक धीरज शुक्ला, पंकज द्विवेदी, सरवरे आलम, हरिकिशन अविनाश पांडेय,सरबजीत सिंह,राकेश सिंह,अजय सिंह,अवधेश सिंह,केपी सिंह,अतुल वर्मा,अख्तर अहमद खां,विनोद यादव ,राज नारायण सिंह,अनिल पाण्डेय,प्रदीप दुबे,गौतम तिवारी दिनेश पांडे,राजन श्रीवास्तव,रामजी द्विवेदी,आशुतोष पटेल,अखण्ड प्रताप सिंह अनिल पांडेय अखिलेश यादव आदि शामिल रहे, वहीं परिणाम इस प्रकार है,148 अंक के अमानीगंज चौंपियन बना वही 59 अंक के साथ बीकापुर द्वितीय और 50 अंकों के साथ मिल्कीपुर तृतीय स्थान पर रहा, 15 अंकों के साथ सुहानी ने पहला और 12 अंक के साथ रोहित ने बनाया दूसरा स्थान, वहीं प्राथमिक स्तर दौड़ प्रतियोगिता 50 मीटर में चंद्रभान मया प्रथम, बसंत सोहावल द्वितीय, रोहित अमानीगंज तृतीय, 100 मी रोहित अमानीगंज प्रथम, हरीश कुमार बीकापुर द्वितीय, आशुतोष मिल्कीपुर तृतीय स्थान पर रहे।

जाने क्यों दर्ज हुआ इतिहास के काले अध्याय में 30 अक्टूबर व 2 नवंबर 1990 का दिन

हमे नहीं भूलना होगा कोठारी बंधु व सीताराम लिखने वाले शहीद का नाम

सुरक्षा कर्मियों द्वारा चलाए गए गोली कांड में कई कारसेवक शहीद व सैकड़ों हुए थे घायल

प्रस्तुति – दीपक श्रीवास्तव

अयोध्या।भगवान श्री राम को भव्य राम मंदिर में लाने के लिए जहां एक ओर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ–साथ बिना किसी के डर के फैसला सुनाने वाले सुप्रीम कोर्ट के जज के साथ–साथ राम जन्मभूमि की कोर्ट में लड़ाई लड़ने वाले अधिवक्ता की जितनी तारीफ किया जाए कम ही है।लेकिन इनके अलावा कई राम भक्तों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए अपने जान की आहुति भी दे दिया उनके बलिदान को भी हमें नहीं भूलना चाहिए।इसके लिए हमें तैंतीस वर्ष पीछे 30 अक्टूबर व 2 नवंबर में जाना पड़ेगा।30 अक्टूबर व 2 नवंबर 1990 का दिन जलियांवाला बाग से कम नहीं रहा।राम जन्मभूमि परिसर के अंदर परिंदा भी पर ना मारने पाये इसके लिए क्यों न कारसेवकों के ऊपर गोलियां चलानी पड़े।हुआ भी वही 30 अक्टूबर तथा 2 नवंबर 1990 को निहत्थे दर्जनों कारसेवकों के ऊपर पुलिस ने गोलियां चलाई जिसमें कई दर्जन कारसेवक शहीद हुए और सैकड़ों राम भक्त कारसेवक गंभीर रूप से घायल हुए।उस समय केंद्र सरकार में बीपी सिंह की सरकार थी और उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव की सरकार थी।उस समय उत्तर प्रदेश में आईजी रहे एस एमपी सिन्हा ने पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया था की कुछ भी हो जाए राम जन्मभूमि परिसर के अंदर कोई भी परिंदा ना जाने पाए इसके लिए क्यों ना गोली ही चलानी पड़े।30 अक्टूबर वर्ष 1990 की विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल के अलावा अन्य हिंदू संगठनों के पदाधिकारी के आह्वान पर लाखों की तादाद में राम भक्त दूर दराज से राम जन्मभूमि की ओर कूच कर रहे थे। यह देखकर प्रशासन के हाथ पांव फूल गए थे। मुलायम सिंह जो कि उसे समय मुख्यमंत्री थे उनके निर्देश पर चार दिन पहले से ही अयोध्या में कर्फ्यू लगा हुआ था।लोग बताते हैं कि अयोध्या में कारसेवक ना आए इसके लिये कई किलोमीटर पहले से ही ट्रेनों को बंद कर दिया गया था, और बसों सहित यहां तक की पैदल लाने के लिए भी मनाही थी।30 अक्टूबर 1990 को अयोध्या के लोग यही सोच रहे थे कि आखिर अयोध्या में क्या होने वाला है। अयोध्या में रहने वाले बड़े बुजुर्ग बताते हैं कि उस समय अयोध्या में कारसेवक दो तरह के थे एक कारसेवक वे जो हजारों किलोमीटर से दूर से चलकर सिर्फ राम मंदिर के लिए आए हुए थे जबकि दूसरे कारसेवक वे रहे जो हमेशा की तरह कार्तिक पूर्णिमा के दिन अयोध्या में आकर सरयू नदी में स्नान करने वाले थे।दूर से आने वाले कारसेवकों को देखकर कार्तिक पूर्णिमा में शामिल होने वाले कारसेवकों के भी मन में उल्लास देखने को मिल रहा था और वह भी कार सेवा करने का मन बना लिया जिसके चलते कारसेवकों की संख्या कई गुनी हो गई।लोग बताते हैं कि विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी उस समय राम भक्तों को एक छोटा सा कागज दिया था।जिसमें राम जन्मभूमि आने के रास्ते के साथ–साथ पगडंडियों गलियों का भी नक्शा बना हुआ था।बताते हैं कि उस समय रहे राष्ट्रीय स्वयं संघ के सरकार्यवाहक राजेंद्र सिंह उर्फ रज्जू भैया को पुलिस ने लखनऊ में ही गिरफ्तार कर लिया था। जबकि विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष विष्णु डालमिया, महंत अवैद्यनाथ, स्वामी चिन्मयानंद, शंकराचार्य वासुदेवानंद को भी पुलिस ने रास्ते में ही गिरफ्तार कर लिया था।वही पूर्व गृहमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को बिहार पुलिस ने पहले ही बिहार में सोमनाथ यात्रा के दौरान समस्तीपुर में ही ने गिरफ्तार कर रखा था।जब कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को लखनऊ हवाई अड्डे से ही पुलिस ने अपने हिरासत में ले लिया।जबकि कारसेवकों के कर्ताधर्ता अशोक सिंघल और श्रीश चंद्र दीक्षित पुलिस के हत्थे नहीं चढ़े।पूछने पर उन्होंने बताया कि अगर वह इसकी पोल खोलेंगे तो कुछ लोगों की नौकरी भी जा सकती है।बताते चलें कि श्रीश चंद्र उत्तर प्रदेश में पुलिस महानिदेशक भी रह चुके थे।उसे समय सुरक्षा कर्मी दो तरीके से रामभक्तो को रोक रहे थे।एक तो शहर के बाहर लाखों की संख्या में राम भक्त खड़े थे वह अंदर आना चाहते थे उन्हें रोक रहे थे और दूसरे जो पहले से ही शहर के अंदर आ चुके थे वे सभी राम जन्म भूमि के अंदर जाना चाह रहे थे।बात 30 अक्टूबर 1990 की सुबह 8रू00 बजे जब सभी कार्यकर्ता राम जन्मभूमि परिसर की ओर बढ़ने लगे तो पुलिस ने उन्हें खदेड़ा तो सभी कार्यकर्ता हनुमानगढ़ के सामने जाकर बैठ गए और राम भजन गाने लगे जिस पर पुलिस ने लाठी चार्ज किया।जिसमें अशोक सिंघल घायल हो गए।इस दौरान पुलिस ने वहां पर बैठे कई साधुओं संत को एक बस में बिठाकर उन्हें हिरासत में ले लिया।कहा जाता है कि उसमें से एक साधु राम प्रसाद ने बस चालक को धक्का देकर बस को राम जन्मभूमि से 50 गज मीटर दूरी तक ले भी गया।इस समय दूसरा जत्था वहां पर पहुंच गया और पहले से ही कुछ साधु अंदर आ ही चुके थे देखते ही देखते माहौल बिगड़ गया और दोपहर 12रू00 बजे तक लगभग चालीस हजार रामभक्त पुलिस सुरक्षा के घेरे को तोड़ते हुए राम जन्म भूमि परिसर में आ गए।कहा जाता है कि उसमें से कुछ लोग बाबरी मस्जिद पर चढ़कर तीनों गुंबद पर झंडा लहरा दिया।उस समय अशोक सिंघल ने कहा कि हिंदू समाज की ऐतिहासिक विजय आज हो गई है और मैं उन सभी राम भक्तों को बधाई देता हूं।परंतु इस बात का खंडन उत्तर प्रदेश में उस समय मुख्यमंत्री रहे मुलायम सिंह यादव ने किया।उन्होंने कहा कि बाबरी मस्जिद को किसी भी तरीके की क्षति नहीं हुई है।अगर देखा जाए तो इससे भी ज्यादा काला अध्याय 2 नवंबर 1990 का रहा।जब भारी संख्या में राम भक्तों का हुजूम राम जन्मभूमि परिसर की ओर जाने लगे तो पुलिस कर्मियों ने उनको रोकने की कोशिश किया।जिस पर वे सभी लोग वहीं पर बैठ राम राम करने लगे।पहले तो पुलिस ने उन पर आंसू गैस छोड़े परंतु देखा कुछ नहीं हो रहा है तो बिना किसी चेतावनी के व बिना किसी अधिकारी के अनुमति के पुलिस निहत्थे राम भक्तों पर फायरिंग शुरू कर दिया।देखते ही देखते थोड़ी ही देर में अयोध्या की धरती राम भक्तों के खून से लाल हो गई। उस गोली कांड में राजस्थान के जिनका नाम नहीं पता था श्रीगंगानगर शहीद हुए मरते मरते उन्होंने अपने खून से सीताराम अयोध्या की धरती पर लिखा।मरने के बाद में सुरक्षा कर्मियों ने उस राम भक्त के सात गोली और मारी थी।सबसे हृदय विधायक घटना तुलसी चौराहा दिगंबर अखाड़ा के समीप घटी जहां पर सुरक्षा कर्मियों ने दो सगे भाइयों जो कि कोलकाता से आए हुए थे उसमें 22 वर्षीय राम कुमार कोठारी तथा 20 वर्षीय शरद कोठारी को गोलियों से भून दिया।इस संबंध में बड़े बुजुर्ग बताते हैं कि जब पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल का तत्कालीन कमिश्नर रहे मधुकर गुप्ता भी जवाब नहीं दे सके।फिलहाल 22 जनवरी 2024 को प्रभु श्री राम भव्य राम मंदिर में विराजमान हो रहे हैं।इसके लिए जहां एक ओर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ,इस मामले में फैसला सुनाने वाले सुप्रीम कोर्ट के जज, इस मामले की पैरवी करने वाले अधिवक्ता के साथ साथ इसकी लड़ाई लड़ने वाले विश्व हिंदू परिषद सहित अन्य प्रमुख हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों की जितनी तारीफ की जाए कम है वही प्रभु श्री राम के लिए शहीद हुए राम भक्तों को भी नमन करना चाहिए जिन्होंने हंसते–हंसते अपने प्राणों की बलिदान दे दिया।

मूलभूत सुविधाओं से वंचित अश्वनी पुरम व पंडित दीनदयाल वार्ड वार्डवासी

अयोध्या। बजबजाती नालियां, टूटी फूटी सड़क, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से अश्वनी पुरम व पंडित दीनदयाल वार्ड के वासी वंचित है। वहां के लोगों की माने तो इस गंभीर समस्या के बारे में कई बार संबंधित वार्ड पार्षद व नगर निगम के संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को बताया। परंतु कोई नतीजा नहीं निकल सका। बताते चलें कि अश्वनी पुरम वार्ड व पंडित दीनदयाल वार्ड में स्थित मुहल्ला कोरखाना, गोकुल धाम,भवतारा सहित कई मुहल्लों में जगह जगह जल निकासी न होने के चलते नालो का गन्दा पानी आसपास जाकर इक्कठा हो रहा है। जिसके चलते वहां के स्थानीय लोगों किसी संक्रमित रोगो से फैलने को लेकर आशंकित रहते हैं। वही इधर से गुजरने वाले राहगीर भी इस जलभराव से होकर गुजरते हैं। वही यहां पर सड़कों के क्षतिग्रस्त होने के चलते भी इधर से गुजरने वाले छात्रों व अन्य राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।कभी कभी तो इधर से गुजरने वाले छोटे छोटे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों व अन्य लोग इस जगह गिरकर चोटिल हो रहे हैं। परन्तु इस गंभीर समस्या पर इससे संबंधित वार्ड पार्षद व नगर निगम के अधिकारी व कर्मी ध्यान नहीं दे रहे हैं। जिसके चलते वहां के लोगों में इनके प्रति आक्रोश दिखाई दे रहा है।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत एआरटीओ प्रवर्तन ने वाहन चालकों को किया जागरुक

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) शनिवार को परिवहन विभाग अयोध्या द्वारा द्वितीय सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत वाहन चालकों का सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।इस मौके पर आरटीओ प्रवर्तन विश्वजीत प्रताप सिंह के निर्देश पर

एआरटीओ प्रवर्तन प्रवीण कुमार सिंह ने यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई किया।इस मौके पर उन्होंने वाहन चालकों से अपील किया कि आपका जीवन आपके परिवार के लिए अमूल्य है। क्योंकि जब आप अपने घर से बाहर निकलते हैं तो जब तक आप सुरक्षित अपने अपने घर को नहीं पहुंच जाते हैं तब तक आपके परिवार आपकी प्रतीक्षा करते हैं। इस मौके पर उन्होंने उधर से गुजर रहे वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।एआरटीओ प्रतर्वन प्रवीण कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाये गये अभियान के तहत सड़क हादसों से बचाव के तरीके वाहन चालको को बताये गये।एआरटीओ द्वारा बिना हेलमेट बाईक चला रहे चालकों को रोक कर हेलमेट के प्रति जागरूक करने के साथ–साथ हेलमेट लगाने का सही तरीका भी बताया गया।एआरटीओ ने बताया कि हेलमेट लगाने के बाद उसकी बेल्ट बांधना जरूरी होता है। हादसे के समय हेलमेट निकल जाने की स्थिति में सुरक्षा नही हो पाती है इसलिये हेलमेट की बेल्ट सदैव बांध कर रखें। उन्होने बताया कि हेलमेट को सिर्फ चालान के डर से न लगाये बल्कि इसे जीवन रक्षक के रूप में उपयोग करें।उन्होने विपरीत दिशा में चल रहे चालको को भी जागरूक किया।एआरटीओ ने बताया कि अभियान के तहत 146 चालको को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया इसके अतिरिक्त बिना हेलमेट बाईक दौड़ा रहे 42 चालकों तथा मोबाइल पर बात कर रहे 04 चालकों एवं विपरीत दिशा में वाहन चलाने वाले 19 चालकों को व परमिट शर्तो के उल्लघंन में 04 वाहनों समेत कुल 69 वाहनों का एमवी एक्ट की सुसंगत धाराओं में चालान किया गया।अभियान में यात्रीकर अधिकारी संदीप चौधरी, यातायात निरीक्षक विवेक कुमार मौर्या, टीएसआई महेन्द्र कुमार, हरिगोविन्द उपाध्याय, दुर्गेश सिंह, बालगोविन्द उपाध्याय सहित अन्य कर्मी मौजूद रहे।

एस आर इण्टरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मनाया गया क्रिसमस डे।

एस आर इण्टरनेशनल स्कूल में क्रिसमस सेलीब्रेशन का आयोजन हुआ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस आर इण्टरनेशनल स्कूल में क्रिसमस डे धूमधाम से मनाया गया। स्कूल के चेयरमैन पवन सिंह चौहान जी ने प्रभु यीशू की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर क्रिसमस महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होने बताया कि ईसा मसीह ने कहा था कि हर मानव के भीतर वही एक परमात्मा है। इसलिए हमें धर्म और जाति के नाम पर आपस में झगड़ा नही करना चाहिए। हम सब को मिलजुल कर प्रेम से रहना चाहिए और एक दूसरे में परमात्मा के दर्शन करने चाहिए। कार्यक्रम में बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समां बांध दिया। प्रभू यीशू के जन्म से संबंधित कई नाटक बच्चों ने प्रस्तुत किए। वहीं सेंटा क्लाज ने बच्चों को उपहार बांटे। सेंटा क्लाज के रूप में सजे छोटे–छोटे बच्चों ने सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर स्कूल के वाइस चेयरमैन पियूष सिंह चौहान ने बच्चों को प्रभू यीशू के जन्म से जुड़े कई रोचक प्रसंगों को सुनाया। बच्चों ने भी प्रभू यीशू के जन्म से संबंधित मनमोहक नाटक प्रस्तुत किया। सेंटा क्लाज के स्वरूपों में सजे बच्चों ने क्लास रूम में साथियों को टॉफी व अन्य उपहार भेंट किये। विद्यालय प्रांगण में विशाल क्रिसमस ट्री सजाया गया। इस अवसर पर संस्थान की वाइस चेयरपर्सन सुष्मिता सिंह चौहान जी ने कहा कि प्रभू यीशू ने जीवन पर्यंत मानवता की शिक्षा दी। मानवता की रक्षा के लिए उन्होंने अपना जीवन बलिदान कर दिया। ऐसे प्रभू से हर किसी को शिक्षा लेनी चाहिए एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी बच्चों को क्रिसमस डे की शुभकामनाये दी।

नेहरू म्युनिसिपल कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने घर-घर जाकर मतदाताओं को जागरूक किया

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। नेहरू म्युनिसिपल कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने मतदाता जागरूकता अभियान चलाया।जिसमें कक्षा 6 से कक्षा 12 की छात्राओं ने घर–घर जाकर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया। विशेषज्ञ अंबरीष कुमार सक्सेना ने बताया कि देश के नागरिक होने के नाते मतदान हमारा अधिकार है। इसलिए किसी के प्रलोभन में न आकर स्वेच्छा से सोचविचार कर योग्य व्यक्ति के पक्ष में मतदान करें।

प्रधानाचार्या नुरुल हुमा ने मतदाताओं को उनके वोट के अधिकार बताकर मत का प्रयोग करने का आग्रह किया। लोगों को बताया कि आपका एक वोट एक अच्छी सरकार बना सकता है। मतदाताओं का आह्वान किया कि यदि वह जागरुक रहेंगे तो स्वस्थ व सभ्य समाज की स्थापना की जा सकती है। देश व समाज को मजबूत बनाने के लिए लोगों को अपने मत का सही प्रयोग करना चाहिए। शिक्षिका शशि शुक्ला, नायाब जहां, रुचि दुबे ,पुष्पांजलि श्रीवास्तव, वंदना दीक्षित, उषा देवी,वर्तिका शुक्ला,आयशा परवीन तथा वैशाली यादव आदि ने अपने वक्तव्य में कहा कि मतदान करना हमारा लोकतांत्रिक अधिकार है, जिसका प्रयोग हमें बहुत सोच–समझकर करना चाहिए। विद्यार्थियों ने पोस्टर–बैनर के जरिए लोगों को मतदान करने हेतु प्रेरित किया।छात्राओं के हाथों में "लोकतन्त्र का सबसे बड़ा पर्व है, मतदान करना हम सबकाफर्ज है" , आपका वोट आपकी ताकत, दोनो बने देश की ताकत, "सारा काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो, स्लोगन लिखी तक्तियां थी। मतदाता जागरूकता अभियान में कक्षा 6 की छात्रा गुलनाज रोजी पायल अनुकृति, हुमा,कक्षा 7 की छात्रा आभा उमम सोनाक्षी वैष्णवी कंचन,कक्षा 8 की जुबेरिया नरारा बी असरा परी मेहनाज मुस्कान,कक्षा 9 की छात्रा अवंतिका आशी इंसा फातिमा आवरीन, मिनजा,

कक्षा 10 की छात्रा कोमल शालू कशिश निशा, इल्मा कुलसुम सृष्टि,कक्षा 11 की रेहाना, कंचन भूमि फरहीन अनम,कक्षा 12 की छात्रा दीपिका गुप्ता ज्योति गायत्री, अरसला एवं मायशा आदि का योगदान रहा।

उत्तर प्रदेश शीघ्र ही विकसित उत्तर प्रदेश,देश का औद्योगिक हब बनेगा : टी आर मिश्र

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अटल औद्योगिक विकास परिषद प्रतिनिधि मंडल की माननीय मुख्यमंत्री जी से मुख्यमंत्री आवास पर अत्यन्त सौहार्द्यपूर्ण मुलाकात हुई और कई विषयों पर गंभीर चर्चा हुई मीटिंग बहुत ही सफल रही और हमारी सभी बातों को माननीय मुख्यमंत्री जी ने बहुत गंभीरता से लिया उत्तर प्रदेश बहुत जल्द देश का सबसे बड़ा उद्योगिक प्रदेश बनेगा

19–12–2022 को सम्पन्न मीटिंग मे अटल औद्योगिक विकास परिषद सद्स्यो द्वारा 235000 करोड के निवेश प्रस्ताव दिया गया था जिसमे से कुछ इकाइयो का काम पूर्ण हो गया है तथा सेष का विकास जारी है।

पिछ्ली मुलाकात मे माननीय मुख्यमंत्री जी ने बच्चियो को स्कूटी प्रदान करने की मंशा जाहिर की थी तथा इसके लिये किफायती मोडेल विकसित करने के लिये आग्रह किया था, उक्त स्कूटी भी आज माननीय मुख्यमंत्री जी के समक्ष प्रस्तुत की गयी।

वार्तालाप के दौरान प्रदेश अध्यक्ष श्री राम उग्रह शुक्ल ने कहा कि हम लोग अकबरपुर कानपुर देहात मे 450 एकड भूमि मे औद्योगिक पार्क विकास हेतु भूमि सुनिश्चित किये है। तथा इस प्रकार अकबरपुर भविष्य मे ग्रेटर नोयडा की बराबरी करेगा, इसपर माननीय मुख्य मन्त्री ने कहा कि ग्रेटर नोयडा तो 33,000 एकड मे बना है जबकि कानपुर झांसी राजमार्ग पर 48000 एकड मे अद्योगिक नगर की स्थापना हेतु भूमि अधिग्रहण हो रही है। अतः आपलोग यह सुनिश्चित कर ले कि आपकी भूमि सरकार मे प्रस्तावित परिक्षेत्र मे तो नही आ रही है।

इसके उपरांत हमारे प्रदेश अध्यक्ष ने मार्च 2024 मे माननीय मुख्यमंत्री जी के मुख्य आथित्य मे सेमिनार आयोजित करने की इक्षा प्रकट की इसपर माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा ठीक है आप आवेदन पत्र दे दिजिये हम उसके तैयार है तथा उसके लिए हमारा पूरा सहयोग रहेगा

हम लोग अनुभव करते है कि माननीय मुख्यमंत्री जी जैसा मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के सौभाग्य मे आजादी के बाद पहली बार प्राप्त हुआ है, और हमको पूर्ण विश्वास है कि उत्तर प्रदेश शीघ्र ही विकसित उत्तर प्रदेश देश का उद्योगिक हब बनेगा

अटल पूर्वांचल उद्योगिक विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष टी आर मिश्रा प्रदेश अध्यक्ष राम उग्रह शुक्ल सी एम डी एवन साइकिल के सरदार ओंकार सिंह पहवा अनूप शंखधर, राजेश सिंह मदन अग्रवाल डी पी मिश्रा,रविन्द्र तिवारी विवेक गुप्ता अध्यक्ष टेकस्टाइल सीता पुर विजय चौहान आदि से माननीय मुख्यमंत्री जी से मुलाकात हुई।एवन साइकिल की ब्रांड । उइमेकंत कंचन अवस्थी भी शामिल थी।

एसकेडी एकेडमी की सभी शाखाओं में क्रिसमस की धूम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। क्रिसमस या बड़ा दिन ईसा मसीह या यीशु के जन्म की खुशी में मनाया जाता है। क्रिसमस प्रेम, आनंद और उद्धार को देने वाला त्योहार है। सिर्फ ईसाई ही नहीं, आज पूरी दुनिया के सभी लोग सर्वधर्म समभाव की भावना को लेकर इसे धूमधाम से मनाते हैं। सर्वधर्म समभाव की इसी भावना को प्रदर्शित करते हुए एसकेडी एकेडमी की सभी शाखाओं में क्रिसमस डे को बड़े ही मनोहारी अंदाज में मनाया गया। यीशु के जन्म को प्रदर्शित करने वाली आकर्षक झांकियों से सजाया गया, विद्यार्थियों में से ही एक बच्चे ने सेंटा बनकर छोटे छोटे बच्चों को तोहफे दिये सभी बच्चों ने केक काटा और जिंगल बेल जिंगल बेल बहुत ही उत्साह एवं खुशी के साथ गाया। सभी शाखाओं के प्रधानाचार्यों ने बच्चों को क्रिसमस डे की बधाइयाँ दीं तथा खूब खुश रहने का आशीर्वाद दिया। इस विशेष अवसर पर एसकेडी एकेडमी के निदेशक श्री मनीष सिंह जी ने सभी को क्रिसमस डे की बधाइयाँ दीं तथा क्रिसमस के महत्व को समझाया और ये भी कहा कि हमें यीशु के प्रेम और भाईचारे के संदेश को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

मनमानी ढंग से कराया जा रहा नाली निर्माण कार्य

मानक को अनदेखा करते हुए लगाया जा रहा निर्माण सामग्री

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर–उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा लाख जतन किया जाता हैं कि सरकार की साख पर कोई आंच न दिखाये लेकिन मुख्यमंत्री के लाख कवायद करने के बावजूद भी नगर पंचायत कजगांव में चल रहे नाली निर्माण कार्य मे सरकार के इरादों पर पानी फेरने में तेजी से जुटा है।ज्ञात हो कि उक्त नगर पंचायत के(वार्ड संख्या 9 नई बाजार)में नाली निर्माण कार्य कराया जा रहा है जिसमें ठेकेदार द्वारा जमकर अनियमितता फैलाई जा रही है जहां नाली बनवाने में अच्छे क्वालिटी का ईट व बालू का प्रयोग किया जाना चाहिए था वही ठेकेदार के द्वारा दो नम्बर का ईट व बालू लगाकर नाली बनवाया जा रहा है तथा नाली में जमकर धन उगाही करने में लोग काफी तेजी से जुट गये है इस नाली निर्माण में ठेकेदार के द्वारा जमकर अनियमितता किया जा रहा है। यहां तक कि नाली निर्माण कार्य कि प्रति नगर पंचायत अध्यक्ष भी पुरी तरह से कुम्भकर्णी निद्रा में लीन हैद्यजब इस नाली निर्माण के बारे में नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी आस्था पाठक से दूरभाष पर नाली निर्माण के बारे में जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो उनका मोबाईल बन्द था। बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या ऐसे में शासन द्वारा दिए जा रहे हैं धन का उपयोग सही ढंग से किया जा रहा है या नहीं यदि अधिकारी ही इस पर ध्यान नहीं देंगे आने वाले समय में इन नालियों को टूटने में और दोबारा सरकारी धन का दुरुपयोग होने में कोई दाग नहीं है।

गांव की ओर कार्यक्रम के तहत धूमधाम से मनायी गयी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रदेश के सभी जनपदों में किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह की 121 वीं जयन्ती चलो गांव की ओर कार्यक्रम के तहत धूमधाम से मनायी गयी। इसी क्रम में राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय में चौधरी साहब की प्रतिमा के सम्मुख हवन पूजन तथा मार्ल्यापण किया गया। उसके पश्चात प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल, राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे, राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा, एवं विजय श्रीवास्तव तथा सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने विधान भवन स्थित चौधरी साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

रोहित अग्रवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी चौधरी साहब के नाम पर वोट तो मांगती है पर उनकी विचारधारा को आगे बढ़ते हुए किसान हित में काम नहीं कर रही, भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था परंतु गन्ना किसानों का रेट आज भी घोषित नहीं किया, पर यदि सच में चौधरी चरण सिंह जी का सम्मान करती है तो गाना किसान का रेट घ400 घोषित करें। रोहित अग्रवाल ने कहा कि गांव गरीब किसान व मजदूर की भावना है कि चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए।

इस अवसर पर काकोरी में ग्राम पंचायतों में ग्राम वासियों के बीच जाकर प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि चौधरी साहब पूरे देश में एकमात्र किसानों के हमदर्द एवं शुभचिंतक थे जिन्होंने अपने सम्पूर्ण कार्यकाल में किसान हितों की रक्षा के लिए अपने संकल्प का निर्वाह किया। चौधरी साहब का प्रत्येक कदम खेतों की मेड़ पर और किसान के हित में होता था। किसान को उसकी पहचान पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह द्वारा ही दी गयी।

जयन्ती कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष वसीम हैदर, प्रदेश प्रवक्ता अंकुर सक्सेना, प्रदेश महासचिव रजनीकांत मिश्रा, संतोष यादव, अम्बुज पटेल, मनोज सिंह चौहान, किरण सिंह, रमावती तिवारी, प्रीति श्रीवास्तव, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल, विनोद सोनकर, के0जी0 वर्मा, शैलेन्द्र शर्मा, महेश पाल नगर, रमेश कश्यप, लखनऊ मण्डल अध्यक्ष रणविजय मौर्य, जिलाध्यक्ष रामसेवक रावत, सम्राट सिंह चौहान, मुकेश, हर्षित, अनीता यादव, शहजाद, प्रभूदयाल, विश्वनाथ यादव आदि लोग शामिल होकर चौधरी साहब को नमन किया।

विधायक वाराणसी कैन्ट सौरभ श्रीवास्तव ने बतौर कार्यकारी सभापति,

याचिका समिति की बैठक में कराया याचिकाओं का निस्तारण

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

दिसम्बर 2023 को वाराणसी कैन्ट से विधायक व याचिका समिति के सदस्य, सौरभ श्रीवास्तव ने समिति के सभापति विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के निर्देश पर बतौर कार्यकारी सभापति विभिन्न विभागों की याचिकाओं का कराया निस्तारण।

विधान भवन के कक्षा 44 ख में प्रातः 11 बजे से प्रारम्भ हुई मैराथन बैठक में भूतत्व एवं खनिकर्म, श्रम एवं सेवायोजन, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, अल्पसंख्यक कल्याण, महिला कल्याण एवं सचिवालय प्रशासन विभागों की याचिकाओं का हुआ निस्तारण।

जबकि अपरान्ह 3.30 से प्रारंभ हुई बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी, सहकारिता एवं संस्कृति विभागों की याचिकाओं का निस्तारण संपन्न हुआ।

समिति के सदस्य विधायक राजीव गुम्बर, राज प्रसाद उपाध्याय, अमिताभ बाजपेई, मनोज कुमार पांडेय, प्रभु नारायण यादव, राम फेरन पांडेय, कृष्णा पासवान व आशीष कुमार सिंह आशु ने यशिकाओं के निस्तारण हेतु अपने विचार रखे।

प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप दुबे व सभी संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव, सचिव व निदेशक, अन्य अधिकारियों के साथ बैठकों में उपस्थित रहे और अपना पक्ष रखा।

विश्व एवं मानवता का अनुपम उपहार है गीतारू प्रो. रणजीत कुमार पाण्डेय

गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोधपुर,जौनपुर में गीता जन्मोत्सव पर गोष्ठी का हुआ आयोजन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर गीताजयंती––गीताजन्मोत्सव के पावन अवसर पर जीएसपीजी कालेज समोधपुर के संस्कृत विभाग में प्रबन्धक हृदय प्रसाद सिंह श्यानूश्के संरक्षकत्व में एक विचार गोष्ठी आयोजित हुई। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर डॉ रणजीत कुमार पाण्डेय ने बताया कि आज से लगभग 5000 वर्ष पूर्व मोक्षदा एकादशी के दिन भारतीय संस्कृति के महानायक लीलापुरुषोतम भगवान् श्रीकृष्ण ने कुरूक्षेत्र ––वर्तमान हरियाणा में विषादग्रस्त अर्जुन को जो कर्तव्योपदेश दिया, वह श्रीमद्भगवद्गीता और संक्षेप में गीता नाम से प्रख्यात हुआ। मानवमात्र के इस अमूल्य धरोहर की महिमा का विश्व के दिग्गज दार्शनिकों,वैज्ञानिकों और विद्वानों ने मुक्तकंठ से बखान किया है। आज पाश्चात्य जगत में भारत का सर्वाधिक उदाहृत और समादृत ग्रंथ गीता ही है। गीता में वर्णित कुरूक्षेत्र का युद्ध तथ्यात्मक इतिहास होने के अतिरिक्त प्रतीकात्मक भी है। हम अपने भीतर और बाहर अनेक द्वन्दों, भयों और विषम परिस्थितियों से निरंतर संघर्ष करते रहते हैं।उन्होंने याद दिलाया कि भारतीय प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी पद्मनाभ भगवान् श्रीकृष्ण के मुखकमल से निःसृत इस मधुर संगीत को विश्व और मानवता के लिए सर्वोत्तम उपहार मानते हैं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ प्रदीप दूबे ने गीता को मानवमात्र का मित्र, बन्धु और गुरु कहा। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक चकाचौंध वाले आज के इस अशांत विश्व में गीतादर्शन ही सर्वाधिक उपयोगी और लाभदायक है। गीता का मूल्य सम्पूर्ण मानवता के लिए है। क्षेत्रीय विधायक प्रतिनिधि तथा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि संतोष पाण्डेय ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि गीता परम रहस्यमय ग्रंथ है। इसमें सम्पूर्ण उपनिषदों का सार–संग्रह किया गया है। गीता की प्रासंगिकता सभी काल में रहेगी। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मुख्य अनुशास्ता डॉ अविनाश वर्मा ने कहा कि गीता अनुपमेय है। इसमें एक भी शब्द सदुपदेश से खाली नहीं है। उन्होंने बहुत जोर देकर कहा कि कल्याण की इच्छावाले हर मनुष्य को श्रद्धा –भक्ति पूर्वक सपरिवार गीता का अध्ययन –मनन करना चाहिए।

ग्राम पंचायत सदस्यों को 23 माह का मानदेय न देने पर वेतन रोका

खातों में राशि होने के बाद मानदेय का भुगतान न किए जाने को डीपीआरओ ने गंभीरता से लिया

हरदोई (संवाददाता)। ग्राम पंचायतों के खातों में राशि होने के बाद मानदेय का भुगतान न किए जाने को डीपीआरओ ने गंभीरता से लिया है। नोटिस जारी करने के साथ ही पंचायत सचिवों के वेतन भुगतान पर रोक लगा दी है। डीपीआरओ विनय कुमार सिंह ने संज्ञान लेते हुए उन्होंने ऐसी खातों में राशि और मानदेय का भुगतान न करने वाली पंचायतों की सूची तैयार कराई। इस पर उन्होंने ब्लॉक अहिरोरी के बम्हनाखेड़ा, फरीदापुर, खजुरमई और लोधी के लिए पंचायत सचिव अरुण वर्मा, एनुआदानमंडी, बल्लीपुर, पुन्निया की मीना सिंह, बावन के भिठारी, निजामुपर के आनंद कुमार सिंह, बरवन, पकरी के अनिल चौरसिया, सकरा की दिव्या सिंह गौर, बेहंदर के सरसंड के मनीष कुमार, समोधा की नेहा चौरसिया को नोटिस जारी किया। इनके अलावा, भरावन के अतरौली, खसरौल के राम कुमार, महीठा की स्वाति सिंह, हरियावां के कुरसेली के लाल बहादुर, टोलवाआंट के सद्दाम हुसैन, हरपालपुर के भुसेहरा, कठेठा व मलौथा के अभिषेक पाल, हरपालपुर व सतौथा के सर्वेश राना, कछौना के लोनहारा के अयोध्या प्रसाद, बरवा सरसंड, दीननगर, गौसगंज, त्योरी मतुआ व बिलौनी सहदीन के संतोष कुमार, कोथावां के नगवां के अमर सिंह, हरैया, कल्यानमल के कामता प्रसाद, माधौगंज के बाबटमऊ मटियामऊ के ब्रजेंद्र पाल सिंह, शुक्लापुर भगत के संजीव कुमार, मल्लावां के शाहपुर पंवार के अंकित पटेल, शाहपुर गंगा के रामकिशोर, पिहानी के जरौना, राभा, सरेहंजू के इंद्रपाल वर्मा, हिंदूनगर, पंडरवचा किला के प्रशांत मिश्रा का को नोटिस दीं। सांडी के आदमपुर, पकरा सैदापुर के मनमोहन अग्रवाल, जजवासी, रोशनपुर ऐमा व सांडी देहात की नंदिनी गुप्ता, संडीला के मीरनगर अजिगंवा के मानवेंद्र प्रताप सिंह, अटसलिया के शैलेंद्र वीर सिंह, शाहाबाद के दलेलनगर की रितू कुशवाहा, असलापुर के संजय कुमार, सुरसा के लालपालपुर, सहोरिया बुजुर्ग के अजीत मिश्रा, खजुरहरा के राजेश कुमार, शहाबुद्दीनपुर के संजय तिवारी, टड़ियावां के भड़ायल के अमर सिंह, आशा, बहर, बेहटाचांद के नरेंद्र कुमार, टोडरपुर के कोठिला सरैंया, सिकंदरपुर बाजार के अमित पांडेय व जमुरा के रवि कुमार वर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। इन सभी के वेतन पर रोक लगाई गई है। नोटिस जारी करने के साथ ही पंचायत सचिवों के वेतन भुगतान पर रोक लगा दी है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।